



दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

 jaipurtimes.org

 twitter.com/JaipurTimes2

 dainikjaipurtimes

 youtube.com/c/JaipurTimes

 instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10

अंक : 68

डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19

जयपुर, मंगलवार 1 अप्रैल, 2025

RNI.No.RAJHIN/2016/70162

मूल्य : 1.5 रुपए

पृष्ठ : 8+2

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बनाएंगे राजस्थान को सर्वश्रेष्ठ निवेश स्थल

- निवेश उत्सव, पारदर्शिता, सुशासन व नीतिगत सुधारों के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार
- 2030 तक राज्य बनेगा 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था



जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पारदर्शिता, सुशासन और नीतिगत सुधारों के माध्यम से राजस्थान को देश का सर्वश्रेष्ठ निवेश स्थल बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी का परिणाम है कि राईजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हस्ताक्षरित हुए निवेश प्रस्तावों में से 3 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउण्ड बेकिंग की गई है। उन्होंने आह्वान किया कि उद्योगपति अपने निवेश, युवा अपनी प्रतिभा और किसान अपनी मेहनत से ऐसे राजस्थान का निर्माण करें, जो न केवल भारत का गौरव बने, बल्कि विश्व में अपनी पहचान स्थापित करें।

मुख्यमंत्री ने किया 3 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों का कार्य प्रारंभ

शर्मा ने कहा कि निवेश उत्सव एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन इम्पैक्ट 1.0 (इम्पैक्ट वन फ्राइंट ओ) पर केंद्रित है, जो राईजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत किए गए एमओयू को धरातल पर उतारने के हमारे प्रयासों को दर्शाता है। राज्य सरकार ने इन निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए त्रिस्तरीय रिव्यू मैकेनिज्म बनाया है। हर विभाग और जिले में डेडिकेटेड टीम बनाई, जो इन एमओयू की सक्रिय रूप से निगरानी कर रही है, ताकि निवेश का हर प्रस्ताव समय पर कार्यान्वित हो सके। इस सतत पर्यवेक्षण का ही परिणाम है कि राईजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू में से 3 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की ग्राउंड बेकिंग हो रही है। कार्यक्रम में इस संबंध में एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

शर्मा ने सोमवार को जयपुर के निजी होटल में आयोजित निवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हर साल चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर राजस्थान दिवस मनाने का निर्णय लिया है। इस बार राजस्थान दिवस पर सात दिवसीय महोत्सव का आयोजन कर महिला, किसान, युवाओं के उत्थान और गरीब कल्याण की कई सौगातें दी हैं। इसी कड़ी में हम यहां निवेश उत्सव मना रहे हैं, जोकि राज्य के आर्थिक विकास की दिशा में एक और मजबूत कदम साबित होगा।

16 मार्च से 30 अप्रैल तक निष्पादित होने वाले सभी एमओयू पर भी लागू होगी डायरेक्ट एलॉटमेंट पॉलिसी:

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने रिको औद्योगिक क्षेत्रों के लिए डायरेक्ट लैंड एलॉटमेंट पॉलिसी लॉन्च की जिसमें उन सभी एमओयू धारकों को शामिल किया गया जिन्होंने राईजिंग राजस्थान के तहत सरकार के साथ 15 मार्च तक एमओयू निष्पादित किए। निवेशकों के उत्साह को देखते हुए मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष आवंटन नीति 16 मार्च से 30 अप्रैल तक निष्पादित होने वाले सभी नये एमओयू पर भी लागू किए जाने की घोषणा की। ये एमओयू धारक अगले आवेदन प्रक्रिया के दौर में इस नीति का लाभ उठा सकेंगे, जो ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा और 15 मई से सभी के लिए पुनः खोला जाएगा।

न्यूज़ इनबॉक्स

पीएफ निकासी के ऑटो सेटलमेंट की सीमा में होगा बदलाव, बढ़ेगा दायरा

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्मचारी भविष्य निधि सगठन (ईपीएफओ) ने अपने 7.5 करोड़ सदस्यों के लिए पीएफ निकासी को और आसान बना दिया है। अब ऑटो-क्लेम सेटलमेंट (एएसएससी) की सीमा 1 लाख रुपए से बढ़कर 5 लाख रुपये करने की तैयारी की जा रही है। अब पीएफ के एडवांस क्लेम (एएसएससी) की सीमा 5 लाख रुपये तक होगी, इसके साथ ये क्लेम सेटलमेंट अब 3-4 दिन में होगा, पहले इसमें 10 दिन या उससे अधिक दिन (साप्ताहिक छुट्टी और त्योहारी छुट्टियों के कारण) लगते थे। वहीं अब शादी, शिक्षा और घर खरीदने के लिए भी ऑटो-क्लेम सुविधा मिलेगी। जबकि, पहले केवल बीमारी और अस्पताल के खर्च के लिए ही ऑटो-क्लेम मिलता था। ईपीएफओ के अनुसार, 95 फीसदी क्लेम अब ऑटो-प्रोसेस होंगे, जिससे करोड़ों कर्मचारियों को तुरंत पैसा मिलेगा। इसके लिए कागजी कार्यवाही कम कर दी गई है, पहले 27 चरण थे, अब सिर्फ 18 और जल्द ही मात्र छह चरण रह जाएंगे। अब पीएफ निकासी में यूपीआई और एटीएम की सुविधा भी जल्द शुरू होगी। ईपीएफओ के मुताबिक, मई-जून तक यह सुविधा लागू हो सकती है।

ईद पर बारा में फिलिस्तीन के समर्थन में नारेबाजी, डांडे लहराए

जयपुर टाइम्स

बारा। बारा जिले में सोमवार को ईद की नमाज अदा होने के बाद कुछ युवकों ने फिलिस्तीन के समर्थन में नारेबाजी शुरू कर दी और इजराइल का विरोध करते हुए भी नारे लगाए। इस दौरान मौके पर जिला प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी भी मौजूद रहे।

सीएम ने किया समस्याओं का समाधान तो आमजन के चेहरों पर झलकी खुशी

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने वहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति से आत्मीयता से मुलाकात की और संवेदनशीलता के साथ जनता की समस्याओं को सुना।



परमाणु ऊर्जा पर फोकस

नवीनीकरण ऊर्जा क्षमता में होगी 34,855 मेगावाट की बढ़ोतरी

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विद्युत उत्पादन में न केवल आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है, बल्कि पड़ोसी देशों को बिजली निर्यात करने में भी समक्ष बना है। वर्ष 2024-25 में देश में जल विद्युत उत्पादन में 10 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यही नहीं, नवीनीकरण ऊर्जा उत्पादन स्त्रोतों को भी तलाश जा रहा है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, राज्य सरकारों के साथ समन्वय बनाकर केंद्रीय परियोजनाओं के क्रियान्वयन में अहम अहम भूमिका निभा रहे हैं। वर्ष 2025-26 में 34,855 मेगावाट नवीनीकरण ऊर्जा क्षमता में बढ़ोतरी होगी। इनमें सौर ऊर्जा से लेकर पवन और हाइड्रड बिजली उत्पादन शामिल है। वहीं केंद्र सरकार का लक्ष्य पहाड़ी क्षेत्रों में जल विद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा देना है और मैदानी इलाकों में सौर ऊर्जा को बढ़ा विकल्प बनाने पर फोकस है। इसके साथ ही परमाणु बिजली उत्पादन पर विशेष ध्यान रहेगा।

राष्ट्रीय ट्रांसमिशन नेटवर्क मजबूत होगा
केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, जिन राज्यों में कोयले का उत्पादन होता है, उनमें थर्मल पावर प्लांट लगाने की भी योजना है। वर्ष

2024-25 (अप्रैल, 2024 से फरवरी, 2025) के दौरान जल विद्युत उत्पादन 1,39,780 मिलियन यूनिट (एमयू) था, जबकि 2023-24 की इसी अवधि के दौरान यह 1,27,038 एमयू था, जो जल विद्युत उत्पादन में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल का देशभर में ग्रिड स्टेशनों के साथ पावर प्लांट और ट्रांसमिशन अपग्रेड पर फोकस है।

अभी हाल ही में केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय ट्रांसमिशन समिति की बैठक की अध्यक्षता की, समिति प्रमुख ट्रांसमिशन परियोजनाओं के लिए कार्यान्वयन पैकेज तैयार करके अंतरराज्यीय पारंपरा प्रणाली (आईएसटीएस) के विस्तार को आगे बढ़ा रही है। इन पहलों से भारत के ऊर्जा और हाइड्रड बिजली उत्पादन को काफी बढ़ावा मिलेगा, राष्ट्रीय ट्रांसमिशन नेटवर्क मजबूत होगा, बढ़ती बिजली की आपूर्ति भी होगी।

2025-26 में 277 गीगावाट की मांग
20वें विद्युत ऊर्जा सर्वेक्षण की मध्यावधि समीक्षा के अनुसार 2025-26 में देश में उपभोक्ताओं की मांग 277 गीगावाट रहने की उम्मीद है, जबकि देश की वर्तमान स्थापित उत्पादन क्षमता 470 गीगावाट है। सरकार ने अप्रैल, 2014 से 238 गीगावाट उत्पादन क्षमता

जोड़कर बिजली की कमी के गंभीर मुद्दे का समाधान किया है। 2014 से 2,01,088 सर्किट किलोमीटर (सीकेएम) ट्रांसमिशन लाइनों, 7,78,017 एमवीए परिवर्तन क्षमता और 82,790 मेगावाट अंतर-क्षेत्रीय क्षमता को जोड़ा गया है, जिससे देश के एक कोने से दूसरे कोने तक 1,18,740 मेगावाट बिजली स्थानांतरित करने की क्षमता है।

तीन राज्यों में परमाणु बिजली का होगा उत्पादन
सात राज्यों में जल और तीन राज्यों में परमाणु बिजली का होगा उत्पादन केंद्र सरकार की ओर से तापीय बिजली उत्पादन के साथ जल और परमाणु विद्युत उत्पादन बढ़ाने की परियोजना तैयार की गई है। हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में केंद्र, राज्य व निजी क्षेत्र में 2025-26 में 6040 मेगावाट उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, पश्चिमी बंगाल व तेलंगाना में तापीय बिजली थर्मल प्लांट के जरिये 9280 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। वहीं केंद्र सरकार द्वारा तमिलनाडु व राजस्थान में 5900 मेगावाट परमाणु बिजली का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा है।



जयपुर टाइम्स

उदयपुर (निस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास गणगौर की पूजा

गणगौर पूजन करते समय झुलसी पूर्व मंत्री गिरिजा व्यास, अहमदाबाद रैफर

करते समय आग में झुलस गईं। बताया जा रहा है कि उनकी चुनरी में आग लग गई। उन्हें इलाज के लिए अहमदाबाद रेफर किया गया है। इससे पहले परिजन उन्हें उदयपुर के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। गिरिजा व्यास के पुत्र गोपाल शर्मा ने

बताया कि मैं फार्म हाऊस पर गया था, इस दौरान आग लगने की सूचना मिली। जब घर पहुंचे तो पता चला कि मां गणगौर की पूजा कर रही थीं, तभी उनकी चुनरी में आग लग गई। घर में ही काम कर रहे लोगों ने उन्हें संभाला और आग को बुझाया।



मालपुरा में नारेबाजी से तनाव, हाईवे जाम

जयपुर टाइम्स

मालपुरा(एजेंसी)। मालपुरा से ईद उल फितर की नमाज के बाद बड़ा घटनाक्रम सामने आया। नमाज अदा करने के बाद जब बड़ी संख्या में नमाजी एक साथ बाहर निकले तो उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान केकड़ी मार्ग कुछ समय के लिए अवरोध हो गया। हालात तब और तनावपूर्ण हो गए जब जुलूस को बाजार में ले जाने के लिए प्रदर्शन किया गया।

डिएसपी आशीष प्रजापत और थाना प्रभारी चेनाराम बेडा के नेतृत्व में पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लिया। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जुलूस केवल निर्धारित मार्ग से ही निकाला जाएगा। पुलिस की सख्ती के बाद माहौल शांत हुआ और निर्धारित मार्ग से ही जुलूस निकाला गया।

पुलिस और मुस्लिम समाज के आमने-सामने आने से बड़ा तनाव बाद में पुलिस और मुस्लिम समाज के लोगों के बीच तनाव बढ़ गया, जिससे जयपुर-मालपुरा-दूदू स्टेट हाईवे जाम हो गया। प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर भारी पुलिस जवाता तैनात किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों ने लोगों से समझाइश की, जिसके बाद हाईवे को खुलवाया गया।

अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील-
पुलिस और प्रशासन ने आमजन से शांति बनाए रखने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि कोई भी अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए पूरी सतर्कता बरती जा रही है।

पुलिस के अनुसार, स्थिति अब नियंत्रण में है और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी गई है।

शान से नगर परिक्रमा को निकली गणगौर माता की सवारी

इसमें लालेश्वर मठ के अधिष्ठाता विमर्शानंद महाराज, चपेश, सुमन छाजेड़, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री राजेश लदेरचे ने अपने विचार रखे। इस दौरान संगीता यादव, उषा शर्मा, ऋजु जोशी सहित अन्य मौजूज लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक आयुक्त गौरव सोनी ने किया। उन्होंने कार्यक्रमों की श्रृंखला के बारे में बताया।

निरंतरता का मोल

विजय गर्ग

सातत्य का आशय किसी भी गतिविधि की निरंतरता से होता 7 अगर हम अपने चहुओर के परिवेश या खुद अपने शरीर की किसी भी गतिविधि या क्रियाकलाप का गहन सूक्ष्मता के साथ अवलोकन करें तो हम निश्चित रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि प्रत्येक गतिविधि दो सीमांत बिंदुओं 'आरंभ' और 'अंत' के बीच संचालित होती है। आरंभ और अंत के बीच का अंतराल कितना लंबा होगा, यह पूरी तरह से उस गतिविधि की निरंतरता या सातत्य पर निर्भर करता है। हम कल्पना कर सकते हैं कि हमने किसी नूतन लक्ष्य को केंद्रित करते हुए कोई क्रिया आरंभ की और बहुत कम समय के बाद ही किसी न किसी कारण से हमें उससे खलम भी करना पड़ा। तब ऐसी दशा में हम अपने लक्ष्य को कभी प्राप्त नहीं कर पाएंगे, क्योंकि हमारे द्वारा क्रियान्वित की गई गतिविधि निरंतरता को प्राप्त नहीं कर पाई। दूसरे शब्दों में कहें तो निरंतरता किसी भी मंजिल या लक्ष्य तक पहुंचने के लिए एक अनिवार्य शर्त है। जब कभी और जहां कहीं निरंतरता खंडित होती है, संबंधित गतिविधि परिणाम के बजाय दुष्परिणाम का वर्ण कर लेती है। सातत्य या निरंतरता और सफलता के बीच एक नितांत गहरा संबंध है, बल्कि दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। इसका सर्वोत्तम उदाहरण प्रकृति है। प्रकृति के सभी मूलभूत घटक, उदाहरणार्थ- जल, वायु आदि सभी सातत्य के सिद्धांत का अनुसरण करते हैं। जल और हवा के बहाव में अगर सातत्य या निरंतरता न हो, तो निश्चित ही वे महत्त्वहीन हो जाएंगे। कलकल करती सरिता और शांत तड़ाग में निस्संदेह सततवाहिनी सरिता कहीं अधिक महत्त्व रखती है। इसका कारण केवल इतना है कि बहती हुई सरिता सदैव सातत्य के अंक में रहती है। ठहराव से उसका कोई संबंध नहीं होता। ऐसा नहीं है कि ठहराव आवश्यक नहीं है, लेकिन वह ठहराव लक्ष्य के पड़ाव तक पहुंचने के बाद ही होना चाहिए। नदी जब महासागर में विलीन हो जाती है, तभी उसका अस्तित्व अपनी यात्रा को पूरा करके ठहराव की दशा को प्राप्त कर पाता है। जीवन की निरंतरता के बने रहने के लिए सांस में सातत्य का होना अनिवार्य है। सांस के असतत होने का सीधा सा अर्थ है- जीवन की मृत्यु में परिणति। जन्म और मृत्यु आत्मा की अनंत यात्रा के दो पड़ाव होते हैं। इन पड़ावों के बीच यानी जन्म से लेकर मृत्यु के बीच की सीमित यात्रा का नाम ही जीवन है। अब इस यात्रा की अवधि सातत्य के स्तर पर निर्भर करती है। यात्रा सातत्य से सिंचित होगी, तो निस्संदेह हम लंबे समय तक जीवन का आनंद भोगने में सफल रहेंगे। वहीं अगर यात्रा का सातत्य किसी भी कारण से खंडित हुआ तो मृत्यु के निकट आने में कोई भी विलंब नहीं होगा। भौतिक और सांसारिक जीवन से परे इन विषयों से धोड़ा-सा संकुचित होकर केवल दैनिक जीवन, क्रियाकलापों और गतिविधियों पर ही केंद्रित रहा जाए तो भी सातत्य की महिमा कहीं न कहीं स्वयंसिद्ध है। सातत्य ही जीवन को सफल बनाने का एक मूल मंत्र है। परिस्थितियों से बिना प्रभावित हुए अपने कार्य को निरंतरता के साथ करने रहना ही सातत्य है। जीवन का कोई भी ऐसा पहलु नहीं है जहां पर सातत्य के बिना सफलता का अर्जन किया जा सके, क्योंकि सफलता का कोई भी लघु मार्ग या सूत्र अभी तक उपलब्ध नहीं है। सफलता के लिए अथक परिश्रम की आवश्यकता होती ही है, जो केवल और केवल सातत्य के माध्यम से ही संभव है। जीवन में सातत्य का अनुसरण करने से व्यक्ति को लाभों का एक ऐसा पिटारा प्राप्त हो जाता है, जिसकी कल्पना संभवतः उसके द्वारा नहीं की गई होती है। सातत्य की प्रवृति व्यक्ति को द्रुत गति से उसके लक्ष्य तक पहुंचाने में सहायक होती है। यह व्यक्तित्व को अद्भुत तरीके से निखार देता है। व्यक्तित्व के अंदर अनेक दुर्लभ विशिष्टताओं का समावेश सातत्य का अनुसरण करके ही संभव हो पाता है। इनमें सबसे मूल्यवान उपलब्धि होती है- आत्मविश्वास। किसी भी कार्य के प्रति पूर्ण समर्पण का भाव अपनाने हुए उसके क्रियान्वयन में सातत्य को समाविष्ट करने से विभिन्न चरणों में आने वाली बाधाएं व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास के स्तर को उच्चोत्कृ्त करने में सहायता करती हैं। मगर सातत्य को विकसित करने के लिए हमें प्रकृति की कुछ शर्तों को स्वीकार करना होगा। इनमें से पहला और सबसे अहम शर्त यह है कि हमें किसी भी कार्य या गतिविधि के रूप वाली वस्तरणी को धैर्य की नौका पर सवार होकर ही पार करने की चेष्टा करनी चाहिए, क्योंकि धैर्य वह ब्रह्मास्त्र है जो बड़ी से बड़ी चुनौतियां एवं बाधाओं को अपनी अमोघ शक्ति से चकनाचूर कर देने में सक्षम है। सातत्य के प्रादुर्भाव के लिए धैर्य परम आवश्यक है। इसके अतिरिक्त आत्मनूशासन, सकारात्मकता से परिपूर्ण मनोबल, समय का उचित प्रबंधन और ध्यान का लक्ष्य पर केंद्रित होना। ये कुछ ऐसी शर्तें हैं जो प्रकृति के द्वारा मूक रूप से हमारे समक्ष सातत्य का उपहार प्राप्त करने के बदले में रखी जाती हैं। इनका व्यवस्थित अनुपालन करने के बाद ही हम जीवन में सातत्य की अपेक्षा कर सकते हैं। हमें अपने शरीर और मन-मस्तिष्क, दोनों की गतिविधियां सातत्य से युक्त रखनी चाहिए, क्योंकि सातत्य हमारे अंदर विजय प्राप्त करने जैसी भावना को जागृत करता है। सातत्य का खंडित होना हमारे अंदर कहीं न कहीं कुटुंआ और निराशा को जन्म देता है और ये भाव हमारे व्यक्तित्व में विकृति उत्पन्न करते हैं। सातत्य एक ऐसा अमूल्य रत्न है जो अगर किसी ने एक बार प्राप्त कर लिया तो फिर वह आजीवन उसका लाभ सुद समेत प्राप्त करता रहेगा।

भूल जाने के बहाने याद करने का अभ्यास

घर से आते वक्त डॉ. सत्यनारायण जी की डायरी ‘दुख किस कांथे पर’ उठा लाया था। 1 जनवरी, 1999 से 10 जुलाई, 2017 तक एक ही प्रवाह में चलती है डायरी, उसी एक लय में- जिसमें जीते हैं डॉ. सत्यनारायण। प्रेम और विछोह से उपजी उदासी से भरपूर, चाहनेवालों के बावजूद शाश्वत अकेलेपन से घिरे और निरंतर जैसे किसी निर्वासन को झेलते हुए इस यायावर आदमी की ज़िंदगी अपने भीतर की त्रासदियों को हर क्षण-हर कहीं जीते हुए नजर आती है, जिन्हें हम अक्सर अनदेखा कर जाते हैं जाने-अनजाने। जान-बूझकर भी बहुत-सी त्रासदियों को भूल जाना होता है, डॉक्टर साहब जैसे उन्हें भूल जाने की इच्छाओं के बहाने उन्हें याद करने का अभ्यास करते हैं। दुख, उदासी और अकेलापन उनके लिए किसी जीवनी-शक्ति की तरह हो गए हैं कि यह सब न होता तो वे कितने अकेले होते इसके बिना। वे जहां, जिस जगह भी जाते हैं, एक उदासी-सी पसरी हुई नजर आती है। भीतर की उदासी, बाहर के सारे मंजर पर छा जाती हो जैसे। जो है, वह भी जैसे छूट गया हो या छूट रहा हो। जो नहीं है, उसके नहीं होने का अहसास हमेशा जीवित। जो खो गया है, उसकी तलाश हमेशा। उस रिश्तित को उसी से भरने की चाह उसे भरने नहीं देती। मोह इतना कि जो छूट गया है, वह साथ चलता है हर क्षण। बेराग ऐसा कि किसी चीज से मोह नहीं। डॉक्टर साहब का यह चेहरा उनकी लिखी या उद्धृत की गई हर पंक्ति के साथ-साथ चलता है। वे कुछ कहते हैं तो कहकर उदास हो जाते हैं। कहते हुए भी जैसे बहुत कुछ है, जो कदने से छूट रहता है और उदास कर देता है। दोस्तों की कमी नहीं, फिर भी जैसे किसी ‘एक’ सुनने वाले की चाह, ‘एक’ समझने वाले की कमी जैसे हमेशा बनी रहती है। डॉक्टर साहब को पढ़ते हुए बीच-बीच में जैसे ही चेहरा उठाता हूं, सब कुछ जैसे उदास-उदासा। रेल, प्लेटफॉर्म, पटरियां सारे के सारे। डेमू ट्रेन की इस सीट से भीतर जहां तक दिखता है- प्रेमी-प्रेमिकाएं, पति-पत्नी, बच्चे, बूढ़े, जवान सारे। उदासी से लकड़क। वे सब बंतिया रहे हैं तो भी सारी बातें जैसे उदास। कुछ मुस्करा रहे हैं तो उनकी हंसी भी जैसे एकदम झूठी। रिश्दकियां, दरवाजे, बाप, पंखे-पातड़ें सब एक उदासी को ढोते हुए। बाहर भी



डायरी/कुमार अजय

खंभे, टीले, खेत, फसलें, नीम, खेजड़ियां, खींप-आकड़ें, झाड़-झंखाड़, कूचे-बोड़ो सभी-यहां तक कि पत्तों से लकड़क रोहिड़ों और गेहूं के हरे-सुनहले खेत भी उदास। रेल का भीतर और बाहर, सारा का सारा जैसे किसी गहन उदासी में डूबा हुआ। धोड़ा-बहुत तो हम सभी ऐसे जीते हैं, लेकिन डॉ सत्यनारायण का पूरा जीवन इसी एक लय में है। डॉक्टर साहब को पढ़ते हुए मैं अपनी तरफ देखता हूं और सोचता हूं मैं कितना निर्मम हूं जो दो-पांच साल में ही तुम्हें भूलकर कितना आराम से जी रहा हूं। तुम्हें ही क्यों, कितने-कितनों को छोड़कर, जिनके बिना जीने की कल्पना ही न थी कभी। किसी कॉर्पोरेट ऑफिस की तरह, मैं एक-दो-तीन ‘नॉटिस’ देता हूं और नहीं सुधरने पर एक झटके में भूल जाता हूं। कुछ लोगों को असीम झेला है लेकिन अब इतने अनुभवों के साथ सबकों इतना झेलने की जरूरत नहीं, यह समझ रहा हूं। और भी जरूरत पड़ी तो ऐसे-ऐसी को छोड़ देनं, भूल जाने के संकल्प से पीछे न हटूंगा, हालांकि फिर भी इतने तो रह ही जाएंगे जो गाह-बगाहे सेधते रहेंगे, दुख देते रहेंगे। पर ऐसे, एक ही दुख में एकमेक होकर

तो पूरा जीवन न जीया जाएगा, जैसे डॉ. सत्यनारायण जीते हैं। खैर, जयपुर आने को है। दरवाजे के बीच से सूरज तलाक़ मार रहा है। (24 मार्च, 2025) आज एक चिल्ला का भाव अपनाते हुए। सोलह साल पहले शादी हुई। आज तलाक घोषित हो गया, बड़े सहज भाव से। हालांकि इस तरह जब कोई जाता है, तो बहुत पहले जा चुका होता है। तलाक जैसी घटना किसी के जीवन में सहज तो क्या ही होती होगी लेकिन उसकी अभिव्यक्ति भी यदि सहज है तो फिर और क्या चाहिए। अब तो तलाक की पार्टियां भी होने लगी हैं। फिर भी हम तो हम हैं, हमें कुछ हजम नहीं हो रहा। पिछले दिनों बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता ने एक पार्टी में अपनी नई प्रेमिका ‘लॉन्च’ की। पूर्व पत्नियां भी इस मौके पर मौजूद रहीं। चत्खारों के साथ इस तरह की चर्चाएं होती हैं। होनी भी चाहिए, इसमें बुरा क्या है। लेकिन हमें केवल इतने से संतुष्टि नहीं होती। हम छाती पीट-पीटकर संस्कृति के पतन का शोर मचाते हैं, अपनी ज़िंदगी अपने ढंग से जीने वालों को जमकर भुंडते हैं। भला इससे बेहतर अलग होने का और क्या तरीका हम चाहते हैं। कह तो गए साहिर- ‘तआरफ़ रोग हो जाए तो उसका तोड़ना अच्छा/ वो अफ़साना जिसे अंजाम तक लाना न हो मुमकिन, उसे एक ख़ुबसूरत मोड़ देकर छोड़ना अच्छा।’ क्या जरूरी है कि सभी लोग सौरभ-मुस्कान की तरह जुदा हों। रास्ते से हटाने के लिए सबसे बेहतर तरीका यही है कि रास्ते से हट जाए, बड़े ही प्रेम, विनम्रता और सहजता के साथ। यूं भी मुहब्बत, हमेशा हासिल का ही नाम नहीं होता। कभी-कभी छोड़ देना भी प्यार होता है। जिस दिन हम तलाक से प्यार करना सीख जाएंगे, हमारे विवाह और ज्यादा ख़ुबसूरत, खुशहाल और खुशी देने वाले हो जाएंगे। हालांकि एक ही है एकमेक जीवन का सौंदर्य ही अकल्पनीय है, लेकिन वह हो तो अपने आप ही हो। एक-दूसरे को झेलते हुए ‘बंधं’ रहने और ‘लोग क्या कहेंगे’ को इतने तेज लोगों की कितनों की ही ज़िंदगी तबाह कर दी है। बाकी असल बात यह है कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना...। (25 मार्च, 2025)

साइबर खतरे का संसार

दुनिया अब भी रैसमवेयर वायरस ‘वॉनाकाई’ के हमले से उबर नहीं पाई है। इसी बीच भविष्यवाणी हो रही थी कि और भी साइबर हमले होंगे और यह सच साबित हुई। नया साइबर हमला विश्व को कितना प्रभावित करेगा, इसका अंदाजा लगाने के लिए पहले ब्रॉनाकाई रैसमवेयर की साइबर विनाशालीला को समझना होगा। डेढ़ सौ देशों के कम से कम तीन लाख कंप्यूटर बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। सुरक्षा सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनी क्रिक हिल के अनुसार, भारत में वॉनाकाई रैसमवेयर के अड़तालीस हजार से ज्यादा मामले पाए गए हैं, जहां साठ फीसद हमले उद्योगों पर तथा चालीस फीसद व्यक्तिगत ग्राहकों पर हुए हैं। बीते गुरुवार को ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी ज़ोमेटो पर भी साइबर हमले की बात सामने आई। इस वायरस से महाराष्ट्र एटीएस के वरिष्ठ आइपीएस अधिकारियों के कंप्यूटर भी नहीं बच पाए। वहीं आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर के भी दर्जनों कंप्यूटर इसके चपेटे में आए। रैसमवेयर वायरस ने ओड़िशा के एक सरकारी अस्पताल के कंप्यूटरों को भी चपेट में लेकर तीन सौ करोड़ फ़िरौती की मांग की। वैश्विक तौर पर ब्रिटेन की स्वास्थ्य सेवा, जापान के उद्योग जगत तथा रूस की बैंकिंग व्यवस्था को काफी नुकसान पहुंचा। चीन, रूस, स्पेन, इटली, विएतनाम जैसे देश भी बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं।

नया वायरस वॉनाकाई से काफी ज्यादा खतरनाक है। एक ग्लोबल साइबर सिक्योरिटी फर्म के अनुसार, नया वायरस भी उन्हीं खामियों का लाभ उठाता है जिनके माध्यम से वॉनाकाई रैसमवेयर हमला कर रहा है। इस नए वायरस का नाम ‘एडिलकुज्ज’ है, जिसे सामान्य बोलचाल में ‘वानाकाई रैसमवेयर का पिता’ कहा जा रहा है जो अतिशयोक्तिपूर्ण नहीं है। ग्लोबल सिक्योरिटी फर्म ‘पूर्फ़ाइट’ के एक शोधकर्ता ने पाया कि वॉनाकाई हमले के साथ एक और वाइरस हमला हुआ है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि एनएसए ने जिन हैकिंग टूल्स की पहचान की है, यह वायरस उन्हीं को इस्तमाल करता है। नए वायरस एडिलकुज्ज की काफी विशेषताएं वॉनाकाई से मिलती-जुलती हैं, लेकिन इसके हमले की गहनता ज्यादा है। यह अत्यंत खामोशी और धीमी गति से अपने हमले को अंजाम देता है। इसका मकसद भी वॉनाकाई रैसमवेयर से अलग है। यह वायरस आभासी मुद्रा मोनिरो की माइन को प्रभावित करता है और सारी करंसी को वायरस बनाने वालों के पास ट्रांसफर कर देता है। स्पष्ट है कि एडिलकुज्ज आपसे सीधे पैसे ले लेता है, इसे फ़िरौती मांगने की भी जरूरत नहीं पड़ती, जबकि वॉनाकाई रैसमवेयर आपके डाटा को चोरी कर आपसे फ़िरौती मांगता है। अब प्रश्न उठता है कि यह मोनिरो करंसी और उसका माइन क्या है।

मोनिरो, बिटकॉइन आदि ओपेन पेमेंट नेटवर्क करंसी है। यह अनोखी और नई आभासी मुद्रा है। मोनिरो को क्रिप्टोकरंसी भी कहते हैं। मोनिरो भी बिटकॉइन की तरह ब्लॉकचेन मेथड का प्रयोग करती है। यह श्रृंखला पूरी तरह से खंगाली जा सकती है। मगर इस श्रृंखला को जिस ‘डार्क वेब’ पर बांज किया जाता है उसे ट्रैक करना काफी कठिन है। इन सब कारणों से बिटकॉइन और मोनिरो जैसी मुद्राएं गोपनीय भी रहती हैं। मोनिरो को इंटरनेट पर बिटकॉइन से भी काफी सुरक्षित आभासी मुद्रा माना जाता है। पर जिस नए वायरस एडिलकुज्ज का हमला हुआ है, वह मोनिरो के इस सुरक्षा दुर्ग को भी तोड़ दे रहा है। बिटकॉइन, मोनिरो जैसी मुद्राएं आसानी से विश्व में कहीं भी बिना किसी मध्यस्थ (बैंक)



के लेन-देन (ट्रांज़ेक्शन) के लिए प्रसिद्ध हैं। इन मुद्राओं का निर्माण जटिल कंप्यूटर एल्गोरिथ्म और कंप्यूटर पावर से होता है, जिसे माइनिंग कहते हैं। चूंकि यह करंसी सिर्फ़क्रोड में होती है, इसलिए न इसे जन्त किया जा सकता है और न ही इसके बारे में सामान्य रूप से पता लगाया जा सकता है। इन वर्चुअल क्रिप्टोकरंसी को खरीदने के लिए यूजर को 27-24 अंकों के कोड का पता दिया जाता है। इन वर्चुअल पता को कोई रजिस्टर नहीं होता। ऐसे में इन मुद्राओं को रखने वालों की पहचान गुप्त रहती है। प्रारंभ में इन मुद्राओं का लक्ष्य डिजिटल करंसी बनाना नहीं था, बल्कि मुख्य लक्ष्य था पैसे का लेन-देन बिना तीसरे पक्ष (थर्ड पार्टी) के संभन्न करना।

मोनिरो, बिटकॉइन आदि मुद्राओं का संचालन कंप्यूटरों के विकेद्रीकृत नेटवर्क से किया जाता है जहां न तो लेन-देन करने वालों की व्यक्तिगत जानकारी होती है और न ही दोतरफा नेटवर्क। क्रैडिट कार्ड, बैंक ट्रांज़ेक्शन के विपरीत इसमें होने वाले ट्रांज़ेक्शन को वापस नहीं लिया जा सकता, अर्थात वन वे ट्रैफ़िक है। वहीं क्रैडिट कार्ड, बैंक ट्रांसफर आदि में पैसे कहां भेजे जा रहे हैं, यह आसानी से जाना जा सकता है। जबकि आभासी मुद्रा के जरिए होने वाले लेन-देन के बारे में जान पाना मुश्किल है और यह हैकरों से भी सुरक्षित है, लेकिन एडिलकुज्ज वायरस ने इन सभी दावों को गलत साबित कर दिया है।इन मुद्राओं का अर्थशास्त्र परंपरागत मुद्रा से पूरी तरह अलग है। परंपरागत मुद्रा को किसी केंद्रीय बैंक का समर्थन होता है, जबकि इसे किसी बैंक का समर्थन नहीं है। इसकी आपूर्ति ‘माइनिंग’ के द्वारा होती है, जो मूलत इसके व्यवस्था निर्माण से ही संबद्ध है। एडिकुज्ज का मोनिरो करंसी पर हमला इसी माइनिंग के चरण में हुआ। कुछ उपयोगकर्ता अपने कंप्यूटर से पीयर टु पीयर नेटवर्क में लेन-देन की पुष्टि के लिए काम करते हैं। ये उपयोगकर्ता जितनी ज्यादा कंप्यूटिंग शक्ति से नेटवर्क में योगदान करते हैं, उसी अनुपात में उन्हें नए मोनिरो मिलते हैं। पर यह प्रक्रिया अत्यंत जटिल होती है। इस कारण इन मुद्राओं की आपूर्ति, मांग की तुलना में काफी कम होती है, जिससे मोनिरो तथा बिटकॉइन का मूल्य निरंतर अप्रत्याशित तरीके से

बढ़ता जा रहा है। एडिलकुज्ज का हमला होने पर विडोज़ रिसोर्सस को एक्सेस मिलने में कठिनाई होती है, साथ ही सर्वर और अन्य प्रणालियों की परफॉरमेंस घट जाती है। इन संकेतों को बहुत-से कंप्यूटर यूजर्स तुरंत नॉटिस कर सकते हैं। यह चुपके से काम करता है, इसलिए एडिलकुज्ज-हमला साइबर अपराधियों के लिए बहुत ही फायदेमंद है। यह संक्रमित प्रयोगकर्ता से चुपके से पैसे कमता रहता है। ‘पूर्फ़ाइट’ का कहना है कि उसने ऐसी मशीनों की पहचान की है जिनसे हजारों डॉलर के मोनिरो इस वायरस को बनाने वालों के पास भेजे गए हैं। इस वैश्विक साइबर हमले की जड़ अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) से जुड़ी रही है। एनएसए के ही लिक्ड टूल ‘इंटरनल ब्यू’ का प्रयोग वॉनाकाई रैसमवेयर में था और इसमें भी। इसे अमेरिका ने आतंकियों और दुश्मनों पर हमला करने के लिए बनाया था। इस हैकिंग टूल को शैडो ब्रदर्स नामक समूह ने लीक कर दिया था। एडिलकुज्ज हमले में इस्तेमाल हुए वायरस के कुछ हिस्से भी इस लीक से मिलते-जुलते थे। अप्रैल 2016 में इस टूल ‘इंटरनल ब्यू’ को शैडो ब्रदर्स ने एनएसए से जुड़े एक समूह ‘इकेशन ग्रुप’ से हैक कर चुराया था। 2016 में ही दुनिया को पहली बार अमेरिकी एनएसए और ‘इकेशन ग्रुप’ के अति गोपनीय रिश्ते का पता चला था। मूलत अमेरिका की असावधानियों के कारण ही आज पूरे विश्व को इन साइबर हमलों का संकट झेलना पड़ा है। अन्य देशों की साइबर सुरक्षा संबंधी उदासीनता भी इसकी वजह रही। भारत में तो बिटकॉइन और मोनिरो जैसी मुद्राएं ज्यादा प्रचलन में नहीं हैं। पर यहां भी बिटकॉइन की लोकप्रियता बढ़ रही है। रिजर्व बैंक की चेतावनी के बावजूद हर रोज ढाई हजार से ज्यादा लोग बिटकॉइन में पैसा लगा रहे हैं। सरकार ने इसी साल मार्च में कहा था कि बिटकॉइन में पैसा डालना अवैध है। इसके बावजूद भारत में बिटकॉइन वॉलेट डाउनलोड करने वालों की संख्या पांच लाख तक पहुंच गई है। इन्हें एडिलकुज्ज कभी भी कंगाल बना सकता है। यही नहीं, यह मोबाइल वॉलेट और इंटरनेट बैंकिंग को भी बुरी तरह प्रभावित कर सकता है।

पाकिस्तान के मूल में ही द्वेष

इसीलिए चर्चिल हर जगह यह डींग हाँकता फिरता था कि भारत को चलाने के लिए वहाँ के लोग प्रशिक्षित नहीं हैं। आजादी के बाद यह देश खंड-खंड में बँटकर स्वतः नष्ट हो जाएगा। कुछ लोगों का कहना है कि वर्ष 1930 में मुस्लिम लीग के इलाहाबाद अधिवेशन के अध्यक्ष पद से भाषण देते हुए इकबाल ने पहले पहल स्वतंत्र मुस्लिम राष्ट्र की मांग पेश की थी। उन्होंने कहा मुसलमानों का धार्मिक आदर्श उसी सामाजिक संगठन पर निर्भर करता है जिसका उसके ही द्वारा निर्माण हुआ है। आप एक को यदि ठुकरा देते हैं तो दूसरे को भी ठुकरा देना होगा।

भारत विभाजन के लगभग तय हो जाने पर न्यूयॉर्क टाइम्स के संवाददाता हरबर्ट एल मैथ्यूज जिन्ना से मिले। बातचीत के क्रम में उन्होंने जिन्ना का ध्यान उन बातों की ओर आकृष्ट किया जिन पर तमाम लोगों का भविष्य निर्भर करता था। उन सबका जिन्हें उन प्रदेशों में रहना था जो पूरे भारत से अलग किए जाँ। मैथ्यूज ने इस पर स्पष्ट सवाल किया। तब जिन्ना ने कहा, “अफगानिस्तान गरीब देश है तो भी उसका निर्वाह हो ही जाता है। इराक की भी वही हालत है। यद्यपि इसकी आबादी हमारी सात करोड़ की आबादी का एक छोटा हिस्सा ही है। यदि हम लोग आजाद होकर गरीब ही रहना चाहते हैं तो इसमें हिंदुओं को क्या आपत्ति है? अर्थव्यवस्था अपनी देखभाल स्वयं कर लेगी।” बहस के लिए इस प्रकार के उद्गार भले ही प्रकट किए जा सकते हैं, लेकिन जिस प्रश्न पर सात करोड़ मुसलमानों का भाग भविष्य निर्भर करता हो, उसे इतने अगंभीर ढंग से ढाल देना उपयुक्त नहीं कहा जा सकता। जिन्ना रैसिटर थे, लेकिन जब वह इस बात के लिए अडिग थे कि एक राष्ट्र मुसलमानों का हो जो पाकिस्तान के नाम से जाना जाए। उनकी इस ज़िद ने देश का विभाजन अनिवार्य कर दिया। अंग्रेज तो चाहते ही थे कि भारत पर उसका राज कायम रहे और आजादी ही न मिले। मिले तो कई खंडें भी, और नहीं तो कम से कम दो खंडों में तो देश का बँटवारा हो ही जाए। इसीलिए चर्चिल हर जगह यह डींग हाँकता फिरता था कि भारत को चलाने के लिए वहाँ के लोग प्रशिक्षित नहीं हैं। आजादी के बाद यह देश खंड-खंड में बँटकर स्वतः नष्ट हो जाएगा। कुछ लोगों का कहना है कि वर्ष 1930 में मुस्लिम लीग के इलाहाबाद अधिवेशन के अध्यक्ष पद से भाषण देते हुए इकबाल ने पहले पहल स्वतंत्र मुस्लिम राष्ट्र की मांग पेश की थी। उन्होंने कहा मुसलमानों का धार्मिक आदर्श उसी सामाजिक संगठन पर निर्भर करता है जिसका उसके ही द्वारा निर्माण



हुआ है। आप एक को यदि ठुकरा देते हैं तो दूसरे को भी ठुकरा देना होगा। इसलिए जिस राष्ट्रीयता में मुसलमानों को इस्लाम के सिद्धांतों की हत्या करनी पड़े, उस पर तो उन्हें लेकॉन के अनुसर भी नहीं करना चाहिए। भारतीय राष्ट्र की एकता का आधार बहुतां के साथ मेल और संगठन होना चाहिए, न कि उसका विरोध। इसी तरह की एकता पर भारत और उसके साथ ही समस्त एशिया का भविष्य निर्भर करता है। सच यह है कि इकबाल का अपनी बात ही अंतर्विरोधों से भरी हुई थी और यह केवल यहीं तक सीमित नहीं था। वस्तुस्थिति यह है कि भारत के प्रति वस्तुगत और व्यावहारिक दृष्टिकोण जाहिर करना सांप्रदायिक इकबाल के ध्रुव स्वाधी के अनुरूप नहीं था। इसलिए वे पूरी तरह एकांगी और हवाई युरोपीय नज़रिया का समर्थन करते हुए कहते थे कि हमें यह कहते हुए खेद होता है कि इस दिशा में हमारा अब तक का प्रयास हर तरह से असफल रहा। वे असफल क्यों हुए - कदाचित हम लोग एक दूसरे पर संदेह करते हैं और उस पर हावी होकर रहना चाहते हैं। परस्पर सहयोग के ऊँचे आदर्श के लिए भी शायद हम लोग उन विशेषाधिकारों का त्याग नहीं करना चाहते जो भाग्य से हमारे साथ आ

गए हैं और अपनी स्वाधीपरता को राष्ट्रीयता का आवरण से ढककर रखना चाहते हैं। बाहर से तो हम लोग उदार राष्ट्रीयता की डींग हाँकते हैं, लेकिन अंदर से कट्टर सांप्रदायिक हैं। युरोपीय देशों के अनुसार भारतीय समाज की इकाई भौमिक नहीं है। इसलिए सांप्रदायिक गुटों को मान्यता दी। युरोपीय जनशासन का सिद्धांत यहाँ लागू नहीं हो सकता। इसलिए भारत के अंदर मुसलमानों को मुस्लिम भारत की माँग सर्वथा उचित है। यह बीज कुछ उन मुसलमान युवकों के दिमाग में बैठ गया जो संघ-राष्ट्र के विरोधी थे और जिनकी यह धारणा थी कि शासन-विधान में जो संरक्षण दिए जा रहे हैं, वे व्यर्थ हैं और बहादुर तथा मूक मुसलमान जाति हिंदू राष्ट्रीयता की वेदी पर बलिदान की जा रही है। पंजाबी मुसलमान चौधरी रहमत अली ने मुसलमानों को एक स्वतंत्र राष्ट्र कहना शुरू कर दिया जो अब तक अल्पसंख्यक समुदाय माने जाते थे। इकबाल के विचार से यह एकदम भिन्न था। उनका प्रस्ताव था कि इन प्रांतों को मिलाकर एक राज्य कायम किया जाए जो अखिल भारतीय राष्ट्र संघ का एक अंग हो और चौधरी रहमत अली का प्रस्ताव था कि इन प्रांतों का अपना अलग संघ शासन ही हो।

ग्रांड जीरो में बीएसएफ कमांडर बनेंगे इमरान हाशमी

बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान रखने वाले मशहूर एक्टर इमरान हाशमी अपनी आने वाली फिल्म में एक बीएसएफ कमांडर का किरदार निभाएंगे। फिल्म का नाम ग्रांड जीरो है। एक्सेल एंटरटेनमेंट ने जब से फिल्म ग्रांड जीरो का एलान किया है तब से ही फिल्म ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। यह फिल्म देश के लिए बलिदान और राष्ट्र की रक्षा करने वाली पर आधारित होगी। एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अब फिल्म का पोस्टर जारी किया है। पोस्टर में इमरान हाशमी नजर आ रहे हैं।

कब रिलीज होगी ग्रांड जीरो?
एक्सेल एंटरटेनमेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्टर शेयर किया है। यह पोस्टर ग्रांड जीरो का है। इसमें इमरान हाशमी को पीछे की तरफ से दिखाया गया है। इमरान हाशमी ने टी-शर्ट पहनी हुई है और हाथ में बंदूक ले रखी है। पोस्टर में इमरान हाशमी काफी जोशीले नजर आ रहे हैं। पोस्टर के कैप्शन में लिखा है एक मिशन की अनकही कहानी जिसने कश्मीर को हमेशा के लिए बदल दिया। इसमें आगे लिखा है कि ये फिल्म 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ग्रांड जीरो की कहानी

ग्रांड जीरो के नए पोस्टर में लिखा है तुझे लाई यहां तेरी मौत फोज, कश्मीर का बदला लेगा गाजी। ग्रांड जीरो फिल्म में इमरान हाशमी बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट नरेंद्र नाथ दुबे की भूमिका में होंगे। फिल्म की कहानी के मुताबिक वह दो साल तक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे की जांच करेंगे। ग्रांड जीरो में मनोरंजक कहानी के साथ एक्शन भी है। फिल्म में इमरान हाशमी के अलावा साई तमहांकर और मुकेश तिवारी भी हैं।

इमरान हाशमी ने लोगों के साथ मनाया था जन्मदिन

आपको बता दें कि इमरान हाशमी ने 24 मार्च को अपने फैंस और पैरराजी के साथ अपना जन्मदिन मनाया था। उन्होंने इसी दिन अपनी फिल्म आवागमन के दूसरे पार्ट आवागमन 2 का एलान किया था। इमरान हाशमी ने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर एक वीडियो शेयर करते हुए ये भी बताया था कि ये फिल्म तीन अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जैसा काम करना चाहती हूं, वैसा मिलता नहीं, पर लोग मुझे भूले नहीं हैं

अपनी पहली ही फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी में गीता राव के किरदार से लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह स्क्रीन पर काफी कम नजर आती हैं। चित्रांगदा इसकी वजह मनमार्फिक फिल्में ना मिलना बताती हैं। इन दिनों वह अपनी डेब्यू वेब सीरीज खाकी - द बंगाल चैटर को लेकर चर्चा में हैं।

आपके चाहने वालों को शिकायत है कि आप काफी कम काम करती हैं। ऐसा क्यों? हा, मेरा काम थोड़ा काम है। मैं ये मानती हूँ कि अभी तक का मेरा बॉडी ऑफ वर्क इतना ज्यादा नहीं है, लेकिन फिर भी दर्शकों ने मुझे याद रखा है। वे अभी तक मुझे भूले नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि मैं काम करना नहीं चाहती हूँ या ऐसा सोचकर चलती हूँ कि कम काम करना है, मगर अच्छा काम या जो काम मैं करना चाहती हूँ, वो मिलता नहीं है और जो नहीं करना चाहती हूँ, वैसा ही काम आता है। वो होता है ना कि जो आप नहीं करना चाहते, वही ज्यादा आता है। लेकिन अभी मेरी दो और फिल्में (हाउसफुल 5 और रात अकेली है 2) आएंगी तो प्लीज उन फिल्मों को देखिए और मुझे सपोर्ट कीजिए, क्योंकि थोड़ा अभी काम आ रहा है तो अब आप मुझे ज्यादा देखेंगे। शुरुआत खाकी- द बंगाल चैटर से हुई है, जो मेरी डेब्यू सीरीज है।

आपने फिल्म सूरमा से फिल्म निर्माण में भी कदम रखा था। उस ओर आगे क्या कर रही है? खुद के लिए कोई फिल्म नहीं बना रही? सूरमा के बाद हम अभी एक और बायोपिक पर काम कर रहे हैं। इसके अलावा, एक वेब सीरीज भी प्रड्यूस कर रही हूँ, जो मैंने लिखी भी है तो उसे लेकर भी मैं बहुत एक्साइटेड हूँ। इनमें से एक प्रोजेक्ट में मैं हूँ, जबकि दूसरे में मैं फिट नहीं होती हूँ। सीरीज में आप बदलाव के लिए लड़ने वाली लीडर के किरदार में हैं, जिसने हजारों ख्वाहिशें ऐसी की गीता राव की याद ताजा करा दी। शो करते हुए आपको भी ऐसा महसूस हुआ?

बिल्कुल, मुझे सच में लगता है कि गीता राव अगर आज होती तो वहीं होती, जहां पर

इस सीरीज का मेरा किरदार निवेदिता है। वह भी कॉलेज के दिनों में राजनीतिक चीजों में इन्वॉल्व थी। एक आदर्शवादी समाज के सपने के लिए सवाल खड़े करना, प्रोटेस्ट करना और बेहतर कल के लिए लड़ना, ये चीजों दोनों में हैं। फिर जो लुक था, कॉटन साड़ी और जब मैंने अपने बाल बांधे तो मुझे लगा कि ओह गॉड, अभी लगभग बीस साल हो गए हैं, मगर दोनों में कितनी समानता है, तो निश्चित तौर पर इसमें मुझे गीता राव की झलक दिखी। पॉलिटिकल किरदारों में आप हमेशा जंची हैं। किसी रियल लाइफ नेता की बायोपिक करना चाहेंगी?

रियल लाइफ नेता तो नहीं, मगर सुचित्रा सेन की जो फिल्म है आंधी, अगर उसका रीमेक हो, तो वो जरूर करना चाहूंगी। उन्होंने इतनी खूबसूरती से वो किरदार निभाया है, वो इतनी कमाल की एक्ट्रेस हैं और यह सिर्फ राजनीतिक किरदार निभाने की बात नहीं है, उसकी निजी जिंदगी में भी जो चीजें होती हैं, मतलब वो मर्दों की दुनिया में एक औरत की जंग वाली बात है। ऐसा अगर कुछ किरदार हो तो जरूर करना चाहूंगी।

खाकी की बात करें, तो आपका पसंदीदा ऑनस्क्रीन खाकी वाला किरदार कौन सा है? दबंग बुलबुल पांडे, वह बहुत ही एंटरटेनिंग पुलिसवाले हैं। मैं दिल्ली से हूँ। मैंने मेरठ में वक्त बिताया है, पढ़ाई-लिखाई की है, तो यूपी का जो करेक्ट प्लेवर उन्होंने पकड़ा था, वो बहुत कमाल था।

सीरीज में आपका किरदार निवेदिता एक मजबूत महिला है, मगर एक मौके पर वह कमजोर भी पड़ती है। आपकी जिंदगी का सबसे मजबूत और कमजोर पल कौन सा रहा?

कमजोर पल वही होता है, जो परिवार से जुड़ा होता है। फैमिली को लेकर आप बहुत भावुक होते हैं, तो जब उसमें कुछ गलत होता है तो बहुत गहरा असर पड़ता है और वह असर बहुत समय तक रहता है। वह आपको तोड़ देता है। वहीं, मजबूत पल वही रहा, जब उस चीज से बाहर निकलकर आईं। वो जरूरी भी है क्योंकि जब भी आप टूटते हैं, तो उस दौर से और ज्यादा मजबूत होकर उभरते हैं।

साउथ में क्यों नहीं चल पाती बॉलीवुड की फिल्में? सलमान ने बताई ये वजह

सलमान खान अपनी फिल्म 'सिकंदर' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच अभिनेता ने मीडिया से बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों पर खुलकर बात की। इस बातचीत में सलमान ने साउथ के कलाकारों के बॉलीवुड में प्रदर्शन और बॉलीवुड की फिल्मों के साउथ में प्रदर्शन पर बेबाकी से अपनी राय रखी। उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में बॉलीवुड फिल्मों की चुनौतियों और बजट पर भी बात की।

बॉलीवुड की फिल्मों को दक्षिण में करना पड़ता है संघर्ष

अभिनेता से जब साउथ मार्केट में बॉलीवुड फिल्मों के प्रदर्शन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी फिल्मों को वहां लोकप्रियता के मामले में कठिन संघर्ष का सामना करना पड़ता है। सलमान ने कहा, दक्षिण में फैंस की संख्या मजबूत है। हालांकि, मुझे प्रशंसकों से अपार प्यार मिलता है, लेकिन जब मेरी फिल्में वहां रिलीज होती हैं तो यह हमेशा बॉक्स-ऑफिस पर सफलता में तब्दील नहीं होती है।

बॉलीवुड फिल्में साउथ में क्यों नहीं कर पाती अच्छा प्रदर्शन?

सलमान खान ने बॉलीवुड में दक्षिण भारतीय फिल्मों के और बॉलीवुड फिल्मों के दक्षिण भारतीय इंडस्ट्री में प्रदर्शन के बीच अंतर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, रजनीकांत, चिरंजीवी, सूर्या और अन्य दक्षिण भारतीय सितारों को बॉलीवुड में बहुत ज्यादा फैंस मिले हैं और हम उनकी फिल्में देखने जाते हैं, लेकिन हमेशा उल्टा नहीं होता

है। सलमान ने कहा कि जितना प्यार दक्षिण भारतीय फिल्मों को हिंदी पढ़ी में मिलता है उसकी तुलना में बॉलीवुड की फिल्मों को नहीं मिलता और बॉक्स ऑफिस नंबर हासिल करने के लिए उन्हें संघर्ष करना पड़ता है।

बड़ी बजट की फिल्मों की आलोचना की

सलमान ने पैन इंडिया फिल्मों की बढ़ती प्रमुखता और इन फिल्मों के बजट पर भी बात की। उन्होंने कहानी और बजट को महत्वपूर्ण बताया। सलमान ने कहा, घुषा और उसके जैसी फिल्में दिखाती हैं कि कैसे एक क्षेत्र का सिनेमा पूरे भारत में लोकप्रिय हो सकता है। इस तरह के पैमाने पर फिल्में बनाने के लिए पर्याप्त बजट और एक ऐसी स्क्रिप्ट की जरूरत होती है जो सभी को पसंद आए। इस दौरान सलमान खान ने अपने ज्यादा बजट की फिल्मों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, हम अपने बजट के साथ पूरी तरह से गलत हो रहे हैं। एक बार जब हम इसे नियंत्रित कर लेंगे, तो सब ठीक हो जाएगा।

नेपोटिज्म पर बोले?

इस बातचीत के दौरान सलमान खान ने बॉलीवुड में नेपोटिज्म पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि सेल्फ मेड जैसी कोई चीज नहीं होती। अभिनेता ने कहा, नेपोटिज्म हमेशा से इंडस्ट्री में रहा है। लोग नेपोटिज्म की आलोचना करते हैं, लेकिन अगर आप गौर करें तो पाएंगे कि हर किसी के किसी न किसी रूप में कनेक्शन होते हैं। इन मुद्दों के अलावा भी सलमान खान ने अपने निजी जीवन और अन्य विषयों पर भी चर्चा की।

द भूतनी में नफरत और प्यार दोनों से रुबरु कराएंगी मौनी रॉय

मौनी रॉय इस अप्रैल आपको डराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनकी अगली बड़ी फिल्म द भूतनी 18 अप्रैल को रिलीज होगी, जो उनकी सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। हॉरर-कॉमेडी में मौनी ने संजय दत्त, सनी सिंह, पलक तिवारी और आसिफ खान जैसे नामों सहित बहुत ही प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। इसके अलावा, यह फिल्म डिजिटल क्रिएटर बेथुनिक की बॉलीवुड में डेब्यू भी करेगी। फिल्म के निर्माताओं ने महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर फिल्म के टाइटल का अनावरण किया था, जिसके साथ एक छोटा सा टीजर भी जारी किया गया था, जो काफी डरावनी थी। और अब, निर्माताओं ने फिल्म से मौनी का लुक भी जारी कर दिया है। उनके पहले लुक के पोस्टर में वह हरे रंग की पोशाक में नजर आ रही हैं, जिसमें और भी अधिक आकर्षक हरी आँखें हैं। उनके किरदार का नाम मोहब्बत है, लेकिन पोस्टर के साथ लिखा गया टैगलाइन—प्यार या प्रलय

आपको सिहरन पैदा कर देगी। मौनी का लुक आपको उनकी खूबसूरती से संतुष्ट कर देगा, लेकिन साथ ही उनके किरदार से डर भी लगेगा। मौनी को फिल्म द भूतनी के लिए तब से ही काफी सराहना मिल रही है जब से फिल्म का पहला लुक जारी हुआ है। उन्हें अलग-अलग तरह के किरदार निभाने और जोखिम उठाने के लिए नेटिजन्स द्वारा भी सराहा जा रहा है। द भूतनी की रिलीज के बाद, अभिनेत्री अगली बार खुदा हाफिज के निर्देशक फारूक कबीर के साथ सलाकार में नजर आएंगी। फिल्म में उनकी भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी गुप्त रखी जा रही है। ऐसा लगता है कि हमें मौनी द्वारा खुद इसकी घोषणा करने का इंतजार करना होगा।

साउथ सिनेमा से इंप्रेस सनी देओल, ये बॉलीवुड एक्टर भी कर चुके हैं दक्षिण भारतीय फिल्मों में अभिनय

अभिनेता सनी देओल की फिल्म 'जाट' जल्द रिलीज होगी। इस फिल्म के निर्देशक गोपीवंद मालिनेनी हैं। वह दक्षिण भारतीय फिल्ममेकर हैं। निर्देशक के साथ फिल्म में काम करके सनी देओल काफी प्रभावित हैं। सनी देओल ने तो दक्षिण भारत में जाकर बसने का मन भी बनाया है। वह दक्षिण भारतीय निर्देशकों के साथ आगे भी काम करने की इच्छा जता चुके हैं। सनी देओल ही नहीं कई और बॉलीवुड कलाकार साउथ फिल्म इंडस्ट्री का रुख कर चुके हैं। जानिए, ऐसे ही कुछ बॉलीवुड

एक्टरों के बारे में जिन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों में दमदार किरदार निभाए हैं।

बॉबी देओल
सनी देओल के भाई बॉबी देओल ने साल 2024 में दक्षिण भारतीय फिल्म 'कुगुवा' में विलेन की भूमिका निभाई थी। फिल्म में मुख्य भूमिका में सूर्या नजर आए थे। फिल्म की कहानी में बॉबी और सूर्या ने योद्धाओं की भूमिका की। इस फिल्म के निर्देशक शिवा थे। इसी के साथ बॉबी कोली निर्देशित दक्षिण भारतीय फिल्म 'डाकू महाराज (2025)' में भी बॉबी देओल नजर आए थे।



सोनू सूद

अभिनेता सोनू सूद ने कई दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम किया है। लेकिन उनकी सबसे चर्चित फिल्म 'अरुंधति (2009)' थी। फिल्म में अनुष्का शेट्टी मुख्य भूमिका में नजर आईं। इस फिल्म में सोनू सूद ने विलेन की भूमिका निभाई। वह एक प्रेत की

भूमिका में थे। इस फिल्म के निर्देशक कोडी रामकृष्ण हैं।

विवेक ओबेरॉय

जब विवेक ओबेरॉय का करियर बॉलीवुड में ठीक नहीं चल रहा था तो उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम करना शुरू किया। विवेक ने कई साउथ की फिल्मों में



नेगेटिव रोल किए। इन फिल्मों में 'विवेगम', 'लूसिफर' और 'रुस्तम' जैसी फिल्में शामिल हैं। शिवा निर्देशित फिल्म 'विवेगम (2017)' में विवेक ने विलेन का रोल किया। इसमें मुख्य भूमिका में दक्षिण भारतीय अभिनेता अजीत नजर आए। इस फिल्म से विवेक दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री और दर्शकों के बीच काफी मशहूर हो गए।

संजय दत्त
संजय दत्त ने साल 2023 में एक तमिल फिल्म 'लीयो' की थी। इसमें विजय हीरो के रोल में दिखे। फिल्म को लोकेश कनगराज ने निर्देशित किया। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म में संजय दत्त को काफी पसंद किया गया। वह अपने अभिनय से दक्षिण भारतीय दर्शकों को प्रभावित करने में सफल हुए।



200 वर्ष प्राचीन ईसर-गणगौर की प्रतिमाओं के साथ निकली शाही सवारी



जयपुर टाइम्स

बिजौलिया(निसं.)। क्षेत्र में लोकपर्व गणगौर का त्यौहार पारम्परिक रूप से मनाया गया।महिलाओं ने अखण्ड सुहाग और कुंवारी कन्याओं द्वारा सुयोग्य वर की प्राप्ति के लिए गणगौर की पूजा की गई।महिलाएं पारम्परिक परिधानों में सजधज कर समूहों में गीत गाती हुई गणगौर के थान पर पूजा करने गईं।वहीं कुंवारी कन्याओं द्वारा होलिका दहन के दूसरे दिन से शुरू की गई सेवरा लाने की रस्म भी गणगौर के दिन अंतिम सेवरा लाने के साथ ही पूरी हुई। गणगौर की शाही सवारी रावले से शुरू हो कर गाजे-बाजों के साथ मन्दकिनी महादेव मंदिर पहुंची।सवारी में नगरपालिका की गणगोरी भी शामिल थी।मंदकिनी मंदिर में महिलाओं द्वारा गणगौर की पूजा-अर्चना की गई।सवारी में लकड़ी से निर्मित ईसर और गणगौर की राजस्थानी वेशभूषा में श्रृंगारित 200 वर्ष प्राचीन प्रतिमाएं विशेष आकर्षण का केंद्र रही।इन प्राचीन दुर्लभ प्रतिमाओं को बिजौलियां के तत्कालीन जागीरदार बूंदी में निकल रही गणगौर की सवारी के बीच से उठा कर लाए थे।बात है ही इन प्रतिमाओं के साथ गणगौर की शाही सवारी निकाली जा रही है।पुलिस थाने के सामने कलाकार श्रवण सागर द्वारा राजस्थानी लोकसंगीत की प्रस्तुतियां भी दी गईं।

हर्षोल्लास से मनाया ईद-उल-फितर का त्यौहार



जयपुर टाइम्स

बिजौलिया(निसं.)। पवित्र रमजान महीने के समापन पर मुस्लिम समाज द्वारा ईद-उल-फितर का त्यौहार हर्षोल्लास से मनाया गया।किसेरगंज स्थित ईदगाह पर सामूहिक नमाज अदा की गई। बाद नमाज पेश इमाम क्रोसर रजा ने खुतबा सुनाया।सभी ने एक दूसरे से गले मिल कर ईद की मुबारकबाद दी और सभी मुस्लिमजमन समाज के घरों में खीर खाने के लिए गए। ईद-उल-फितर को मोटी ईद भी कहा जाता है क्योंकि इस दिन सेवइयां और अन्य मोटे व्यंजन भी बनाए जाते हैं।

तेजाजी की मूर्ति तोड़ने पर बवाल, दोषी गिरफ्तार, कड़ी कार्रवाई की मांग

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जयपुर के सांगानेर स्थित प्रताप नगर में लोक देवता वीर तेजाजी की प्रतिमा तोड़ जाने की घटना के बाद जाट समाज में भारी आक्रोश देखने को मिला। इस निंदनीय कृत्य के विरोध में राजस्थान जाट महासभा के महासचिव मदन चौधरी ने कड़ा रोष व्यक्त किया था और सरकार से दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की थी।पुलिस की त्वरित कार्रवाई के बाद अब इस मामले में दोषी को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि, जाट महासभा सहित समाज के लोग अब भी इस मामले में कड़ी सजा और ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न दोहराई जाएं।चौधरी ने प्रशासन से अपील करते हुए कहा, "सिर्फ गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है, दोषियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए, ताकि समाज की आस्था और सम्मान की रक्षा हो सके।"घटना के बाद क्षेत्र में तनाव बना हुआ था, लेकिन पुलिस और प्रशासन की सकार्कता से स्थिति को नियंत्रण में रखा गया है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों के आधार पर पुलिस जांच आगे बढ़ा रही है।अब देखना यह होगा कि प्रशासन दोषियों को सजा दिलाने में कितनी तत्परता दिखाता है या फिर जाट समाज को और सख्त रख्न अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

करौली में कुएं में डूबने से बच्चे की मौत, रविवार से था लापता

जयपुर टाइम्स

करौली(निसं.)करौली के मासलपुर गेट के पास बागुर में एक कुएं में डूबने से एक बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान छोली का हार निवासी जुनेद बेग पुत्र फकीर बेग के रूप में हुई। सोमवार सुबह पाँच 7 बजे सिविल डिफेंस कंट्रोल रूम को कुएं में बच्चे के गिरने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही सिविल डिफेंस की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची। सिविल डिफेंस टीम ईंचाई प्रदीप कुमार के नेतृत्व में टीम ने कुएं में उतरकर बचाव अभियान शुरू किया। करीब दो घंटे की कड़ी मेहनत के बाद बच्चे के शव को बाहर निकाला गया। शव को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में सामने आया कि जुनैद रविवार से घर से लापता था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बचाव कार्य में सिविल डिफेंस के राम अवतार, जयदेव, फरमान, भूपेंद्र, बृजभूषण और तरुण समेत अन्य जवान मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन

मैं गंगाधर सामोता पुत्र श्री विद्याधर सामोता उम्र 21 वर्ष जाति जाट निवासी ग्राम खारिया कनीराम तहसील सुजानगढ़ जिला चुरु राजस्थान सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरे शिक्षा संबंधित दस्तावेज 10वीं और 12वीं की अंक तालिका में मेरा नाम गलती से गंगाधर अंकित हो गया है जबकि मेरा सही नाम गंगाधर सामोता है जो कि मेरे आधार कार्ड एवं पैन कार्ड में अंकित है अतः भविष्य में मुझे गंगाधर सामोता के नाम से ही जाना और पहचाना जाए।

ईद उल फितर की नमाज अदा कर मोमिनों ने मांगी अमन-चैन की दुआ



जयपुर टाइम्स

बाली, पाली(निसं.) सोमवार को ईद का चाँद नजर आने के बाद बाली में मुस्लिम समुदाय ने हर्षोल्लास के साथ ईद उल फितर मनाई। सुबह ईदगाह में सैकड़ों मोमिनों ने नमाज अदा की, जिसका नेतृत्व मौलाना इमाम निजामुद्दीन अकबरी ने किया। नमाज से

पहले उन्होंने तकरीर पेश करते हुए रोजे की अहमियत बताई और कहा कि यह अल्लाह की इबादत का सबसे बड़ा जरिया है। मौलाना अकबरी ने कहा कि जिस तरह एक मजदूर को उसकी मेहनत की मजदूरी मिलती है, उसी तरह रोजेदार को अल्लाह ईद के रूप में इनाम अदा की, जिसका नेतृत्व मौलाना इमाम निजामुद्दीन अकबरी ने किया। नमाज से

माफ कर दिए जाते हैं और अल्लाह उनकी दुआएं कबूल करता है। नमाज के बाद मौलाना ने खुली फिजा में दोनों हाथ उठाकर देश में अमन, चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। इसके बाद मुस्लिम भाइयों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और भाईचारे का संदेश दिया। नमाज के बाद लोगों ने अपने पूर्वजों की कब्रों पर जाकर

फूल-माला चढ़ाई और उनकी मर्गाफ़रत के लिए दुआएं कीं। ईद की खुशियों में सभी ने अपने परिजनों और रिश्तेदारों के घर जाकर पारंपरिक व्यंजन खाए और एक-दूसरे का मुँह मीठा कराया। घरों में खीर, सिवइयां और अन्य पकवान बनाकर ईद का जश्न मनाया गया। इस मौके पर बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। वे नए कपड़े

पहनकर खुश नजर आए और अपने परिवार के साथ ईदगाह पहुंचे। बाली में ईदगाह और प्रमुख मस्जिदों के बाहर सुरक्षा के पुरुखा इंतजाम किए गए थे। पुलिस प्रशासन द्वारा यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए। ईद की इस मुबारक घड़ी में पूरे शहर में खुशी और सौहार्द का माहौल नजर आया।

मचकुंड दीपों से हुआ रोशन, बृज की रास और चरकुला नृत्य ने बिखेरा सांस्कृतिक रंग



धौलपुर में राजस्थान दिवस का भव्य उत्सव, लोक संस्कृति की बही सुरम्य धारा

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन, धौलपुर के संयुक्त तत्वावधान में मचकुंड धाम में राजस्थान दिवस का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस मौके पर आयोजित सांस्कृतिक संस्था ने न केवल लोक कला की अनुपम छटा बिखेरी, बल्कि दीपदान से पूरा परिसर जगमगा उठा, मानो संस्कृति और परंपरा ने दीपों के माध्यम से अपने अस्तित्व की दिव्याता का संदेश दिया हो। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक लोकगीतों से हुई, जिसमें स्थानीय और प्रख्यात राजस्थानी

कलाकारों ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बृज की रासलीला ने भक्तिमय वातावरण का संचार किया, वहीं चरकुला नृत्य और मयूर नृत्य ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। फूलों की होली ने उत्सव को और भी रंगीन बना दिया, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठे। दीपदान कार्यक्रम में नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। हजारों दीपों की ज्योतियों से मचकुंड धाम जगमगा उठा, जिससे यह दृश्य किसी स्वर्गीय आभा से कम नहीं लग रहा था। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी.टी., अतिरिक्त जिला कलेक्टर हरिराम मीना, उपखंड अधिकारी साधना शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इसके अलावा, कवि सम्मेलन ने राष्ट्रीय भावना का संचार करते हुए श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। धौलपुर के प्रतिष्ठित कवियों ने अपनी ओजस्वी और प्रेरणादायक रचनाओं से माहौल को उत्सास से भर दिया।

14 लाख की ठगी करने वाले तीन गिरफ्तार, पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर की थी वारदात

जयपुर टाइम्स

प्रतापगढ(निसं.)प्रतापगढ पुलिस ने साइबर ठगी के एक बड़े मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने व्हाट्सएप पर पार्ट-टाइम जॉब का झांसा देकर एक महिला से 14 लाख 7 हजार 960 रूपए की ठगी की थी। पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार बंसल के निर्देश पर साइबर पुलिस थाना की टीम ने 30 मार्च को राहुल गमेती, कौशल प्रजापत और कमलेश घाटिया को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने पीड़िता को व्हाट्सएप पर भेजेज कर पार्ट-टाइम नौकरी का प्रस्ताव दिया और उसे होटल एवं रिसॉर्ट की रेंटिंग देने का काम सौंपा। शुरुआत में आरोपियों ने पीड़िता से 1000 रूपए जमा करवाए और 1300 रूपए वापस किए। इसी तरह, 5000 रूपए जमा करवाकर 7800 रूपए लौटाए। पीड़िता का विश्वास जीतने के बाद उन्होंने धीरे-धीरे बड़ी रकम की मांग शुरू कर दी। इस तरह कुल 14 लाख 7 हजार 960 रूपए की ठगी की गई। साइबर सेल ने

त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर पुलिस पोर्टल (1930) पर शिकायत दर्ज की। ठगी की गई राशि में से 9 लाख 49 हजार 889 रूपए पीड़िता को वापस दिलवाए गए। पुलिस के अनुसार, मामले में कुछ और आरोपी शामिल हैं, जिनकी तलाश जारी है। प्रतापगढ में एक नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नानुराम उर्फ फिला (23) और शंकर (27) के रूप में हुई है। दोनों धोलापानी के रहने वाले हैं। पीड़िता ने 12 मार्च को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि आरोपियों ने उसकी मोटरसाइकिल रोककर छेड़छाड़ की। पुलिस ने मामले में पाँक्सो एक्ट की धारा 11/12 और बीएनएस एक्ट की धारा 75(2) के तहत केस दर्ज किया। एसपी विनीत कुमार बंसल के निर्देश पर एसएसपी परबत सिंह और सीओ छोट्टीसाढ़ी गोपाललाल हिंडोनिया के मार्गदर्शन में धोलापानी थाना प्रभारी रविंद्र पाटीदार की टीम ने कार्रवाई की।

टाटा पावर को ग्रीन एनर्जी स्किलिंग को आगे बढ़ाने के लिए एनसीवीईटी से मिली मान्यता

जयपुर टाइम्स

राष्ट्रीय, भारत की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनियों में से एक, टाटा पावर की राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) के तहत एक दोहरी पुरस्कार देने वाली संस्था (एबी-इयूअल) के रूप में आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई है। एक समझौते के जरिये औपचारिक रूप से दी गई यह उल्लेखनीय मान्यता, टाटा पावर को अपनी कौशल विकास शाखा, टाटा पावर स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (टीपीएस डीआई) में प्रशिक्षित शिक्षार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन, प्रमाणन और पुरस्कार देने का अधिकार प्रदान करती है। टीपीएसडीआई, टाटा पावर द्वारा समर्थित उल्लेखनीय संस्थान है, जो युवाओं को तेजी से बढ़ते ऊर्जा क्षेत्र के लिए विशेषज्ञता से लैस कर रहा है। इस समझौते पर टाटा पावर की ओर से श्री आलोक प्रसाद (प्रमुख - टीपीएसडीआई) और

एनसीवीईटी की ओर से कर्नल गुंजन चौधरी (निदेशक - एनसीवीईटी) ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर अतुल कुमार तिवारी (सचिव, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय और अध्यक्ष, एनसीवीईटी) और हिमाल तिवारी (अध्यक्ष - ग्रुप एचआर, सीएचआरओ, प्रमुख - सस्टेनेबिलिटी (वहनीयता) और सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी) मौजूद थे। यह मान्यता स्किल इंडिया मिशन और टाटा पावर के बिजली क्षेत्र में कौशल की कमी दूर करने के लिए चल रहे मौजूदा प्रयासों के अनुरूप है। एनसीवीईटी की मान्यता टीपीएसडीआई को रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन, ऊर्जा भंडारण, ग्रीन हाइड्रोजन और पंप हाइड्रो जैसे प्रमुख क्षेत्रों में लोगों को प्रमाणित कर अपनी कौशल पहल का विस्तार करने में मदद करेगी, जो भारत के तेजी से विकसित हो रहे हरित ऊर्जा क्षेत्र के अनुरूप हैं। कंपनी इसे सुविधाजनक बनाने के लिए अपने प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के

लिए तैयार है, जिससे देश भर में उद्योग के अनुरूप कौशल कार्यक्रमों तक अधिक पहुंच सुनिश्चित हो सके। टीपीएसडीआई ने अब तक तीन लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया है और अब वह अपने स्वामित्व वाले या पूरी तरह से प्रबंधित परिसरों में अपनी स्वीकृत या अपनाई गई योग्यताओं के लिए सीधे उद्योग-मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र प्रदान कर सकेगा। यह मान्यता टीपीएसडीआई-प्रमाणित पेशेवरों की विश्वसनीयता और प्रति रोजगार क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी, जिससे भविष्य के लिए भारत के हरित कार्यबल को मजबूती मिलेगी। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के तहत राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय नियामक के रूप में काम करती है। यह देश भर में मानक निर्धारित करने, नियम बनाने और कौशल

संबंधी पहलों की गुणवत्ता और प्रभाव को बढ़ाने के लिए ज़िम्मेदार है। एनसीवीईटी पुरस्कार देने वाली संस्थाओं और मूल्यांकन एजेंसियों को मान्यता प्रदान करती है और इनका विनियमन करती है, जिससे उद्योग को उभरती मांगों को पूरा करने के लिए बेहद दक्ष कार्यबल का विकास सुनिश्चित होता है। टाटा पावर के सीएचआरओ और सीएसओ के लिए तैयार हैं, जिससे भारत के कौशल विकास को मजबूती मिलेगी। यह मान्यता टीपीएसडीआई-प्रमाणित पेशेवरों की विश्वसनीयता और प्रति रोजगार क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी, जिससे भविष्य के लिए भारत के हरित कार्यबल को मजबूती मिलेगी। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के तहत राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय नियामक के रूप में काम करती है। यह देश भर में मानक निर्धारित करने, नियम बनाने और कौशल

संबंधी पहलों की गुणवत्ता और प्रभाव को बढ़ाने के लिए ज़िम्मेदार है। एनसीवीईटी पुरस्कार देने वाली संस्थाओं और मूल्यांकन एजेंसियों को मान्यता प्रदान करती है और इनका विनियमन करती है, जिससे उद्योग को उभरती मांगों को पूरा करने के लिए बेहद दक्ष कार्यबल का विकास सुनिश्चित होता है। टाटा पावर के सीएचआरओ और सीएसओ के लिए तैयार हैं, जिससे भारत के कौशल विकास को मजबूती मिलेगी। यह मान्यता टीपीएसडीआई-प्रमाणित पेशेवरों की विश्वसनीयता और प्रति रोजगार क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी, जिससे भविष्य के लिए भारत के हरित कार्यबल को मजबूती मिलेगी। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के तहत राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय नियामक के रूप में काम करती है। यह देश भर में मानक निर्धारित करने, नियम बनाने और कौशल



फूल-माला चढ़ाई और उनकी मर्गाफ़रत के लिए दुआएं कीं। ईद की खुशियों में सभी ने अपने परिजनों और रिश्तेदारों के घर जाकर पारंपरिक व्यंजन खाए और एक-दूसरे का मुँह मीठा कराया। घरों में खीर, सिवइयां और अन्य पकवान बनाकर ईद का जश्न मनाया गया। इस मौके पर बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। वे नए कपड़े

पहनकर खुश नजर आए और अपने परिवार के साथ ईदगाह पहुंचे। बाली में ईदगाह और प्रमुख मस्जिदों के बाहर सुरक्षा के पुरुखा इंतजाम किए गए थे। पुलिस प्रशासन द्वारा यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए। ईद की इस मुबारक घड़ी में पूरे शहर में खुशी और सौहार्द का माहौल नजर आया।

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत धौलपुर में निवेश उत्सव का भव्य आयोजन



जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत सोमवार को नगर परिषद ऑडिटोरियम में निवेश उत्सव राईजिंग राजस्थान इम्पैक्ट 1.0 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निवेश एवं औद्योगिक विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण नीतियों का विमोचन किया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक मितुल गोयल प्रमुख उद्यमी एवं विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी, राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी एवं राजस्थान टेक्सटाइल एंड अपैरल पॉलिसी का

विमोचन किया, साथ ही निवेशकों के लिए एमओयू ट्रैकिंग हेतु मोबाइल एप लॉन्च किया गया और राजस्थान फ़ाउंडेशन के 14 नए चेप्टर्स की शुरुआत की गई। धौलपुर जिला स्तरीय आयोजन में निवेशकों एवं उद्यमियों को राजस्थान सरकार की नई औद्योगिक नीतियों की जानकारी दी गई और राज्य में निवेश के अनुकूल वातावरण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित उद्यमियों ने औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए और स्थानीय उद्योगों के विस्तार हेतु अपेक्षित सहयोग की बात रखी। इस अवसर पर उद्यमिता जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक मितुल गोयल प्रमुख उद्यमी एवं विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी, राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी एवं राजस्थान टेक्सटाइल एंड अपैरल पॉलिसी का

पार्क मेडी वर्ल्ड लिमिटेड ने 1260 करोड़ रुपये तक के आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

जयपुर टाइम्स

पार्क मेडी वर्ल्ड लिमिटेड ("कंपनी"), जो 'पार्क' ब्रांड के तहत 13 एनएबीएच मान्यता प्राप्त मल्टी-सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों का नेटवर्क संचालित करती है, ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड ("सेबी") के पास अपना ड्राफ्ट रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस ("डीआरएचपी") दाखिल किया है। कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के माध्यम से इक्विटी शेयरों (प्रत्येक का अंकित मूल्य 2) की पेशकश के माध्यम से 12600 मिलियन (1260 करोड़) तक के फंड जुटाने की योजना बनाई है। इस प्रस्ताव में कुल 9600 मिलियन (960 करोड़) तक के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम ("ताजा निर्गम") और विक्रय शेयरधारकों द्वारा कुल 3000 मिलियन (300 करोड़) तक का बिक्री

प्रस्ताव ("बिक्री प्रस्ताव") शामिल है। पार्क मेडी वर्ल्ड उत्तर भारत में दूसरी सबसे बड़ी निजी अस्पताल श्रृंखला है, जिसकी कुल बिस्तर क्षमता 3,000 बिस्तरों की है, और बिस्तर क्षमता के मामले में हरियाणा में सबसे बड़ी निजी अस्पताल श्रृंखला है, जिसमें 30 सितंबर, 2024 तक 1,600 बिस्तर हैं। (स्रोत क्रिसिल रिपोर्ट) रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जाने वाले इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड ("बीएसई") और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ("एनएसई") पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। ("लिटिंग विवरण") नुवामा नेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड, सीएलएसए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड और इंटीसिव फिस्कल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। ("बीआरएलएम")

संबंधी पहलों की गुणवत्ता और प्रभाव को बढ़ाने के लिए ज़िम्मेदार है। एनसीवीईटी पुरस्कार देने वाली संस्थाओं और मूल्यांकन एजेंसियों को मान्यता प्रदान करती है और इनका विनियमन करती है, जिससे उद्योग को उभरती मांगों को पूरा करने के लिए बेहद दक्ष कार्यबल का विकास सुनिश्चित होता है। टाटा पावर के सीएचआरओ और सीएसओ के लिए तैयार हैं, जिससे भारत के कौशल विकास को मजबूती मिलेगी। यह मान्यता टीपीएसडीआई-प्रमाणित पेशेवरों की विश्वसनीयता और प्रति रोजगार क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी, जिससे भविष्य के लिए भारत के हरित कार्यबल को मजबूती मिलेगी। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के तहत राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय नियामक के रूप में काम करती है। यह देश भर में मानक निर्धारित करने, नियम बनाने और कौशल

खुदा की बारगाह में झुके हजारों सिर, मांगी अमन चैन की दुआ



तारानगर।



बीदासर।



राजलदेसर।



लक्ष्मणगढ़।



सरदारशहर।



सुजानगढ़

तारानगर। तारानगर में ईद उल फ़ीतर का त्यौहार बड़ी हर्षोल्लास के साथ मनाया। कस्बे के मुस्लिम भाइयों ने ईदगाह में ईद की नमाज पढ़ी व देश में अमन चैन शान्ति भाईचारे की दुआ मांगी। जामा मस्जिद के इमाम मोहम्मद जाफ़र हाफिज ने ईद की नमाज अदा कराई। कस्बे के अन्य मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा करवाई। उपस्थित मुस्लिम भाइयों ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। नमाज के बाद सभी कब्रिस्तान पहुंचे और अपने पूर्वजों को याद किया। धानाधिकारी गौरव खिड़िया के नेतृत्व में पुलिस, मुस्तेद रही, सुरक्षा के पूरे इंतजाम रहे व चप्पे चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात रहे। पूरे शहर में पुलिस की गाड़ी गश्त भी लगाती रही। कस्बे के जाट महासभा इकाई तारानगर ने भी तहसील अध्यक्ष हरसिंह बेनीवाल के नेतृत्व में उपस्थित लोगों को ईद पर्व की बधाई दी। इस मौके पर प्रधान संयोज कस्वां, विस प्रत्याशी राकेश जागिड़, अभिषेक बुडानिया, तिलोकराम कस्वां, नगर अध्यक्ष अशोक खंडेलवाल, जमरदीन तेली, बाबू हुसैन कुंरेशी, मोहम्मद तैयब, मुंशी खां तेली, सहदेवसिंह भाटी, मोहम्मद तैयब, मानसिंह सैनी, शिव कुमार शर्मा, कुंदन सैनी, अजीतसिंह, भगतसिंह भाकर, शाबीर हुसैन, माणकचंद बेद, राकेश टाक, श्रवण गडगाणा, सुरेन्द्र पूर्नियां, सहित जनप्रतिनिधि व जाट महा सभा इकाई ने कब्रिस्तान पहुंचकर ईद की

मुबारकबाद दी।

बीदासर। कस्बे में ईद उल फ़ि़त्र का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शहर की बड़ी ईदगाह में शहर काजी हाफिज मोहम्मद शरीफ व नेक नगर ईदगाह में मौलाना मुस्लिम साईं ने ईद की नमाज अदा कराई। नमाज के दौरान देश में अमन चैन व खुशहाली की दुआ की गई। नमाज के बाद एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। ईदगाह के बाहर उपखंड अधिकारी अमीलाल यादव, पुलिस उपाधीक्षक प्रह्लाद राय, धानाधिकारी कैलाशचंद्र यादव, पालिकाध्यक्ष सीताराम भोमरिया, उपाध्यक्ष मेराज उल हसन छीपा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष जेठाराम यादव, जवाहर सिंह राठौड़, एडवोकेट शाहिद सोलंकी आदि ने मुबारकबाद दी। दूसरी ओर बेरी चौक में ईद के मौके पर मुस्लिम समाज की ओर से ईद मिलन समारोह कार्यक्रम रखा गया, जिसमें उपस्थित लोगों को खीर जलेबी खिलाकर ईद की मुबारकबाद दी गई। इस दौरान विधायक मनोज मेघवाल, मास्टर उम्मेद अली, अफजल हुसैन स्लामपुरिया, नयुम लुहार, आरिफ छीपा, जायद लुहार, साबिर जिन्दरान, आरिफ ब्योपारी, फ़िरोज खिलजी, आरिफ साई आदि ने ईद की मुबारकबाद दी।

राजलदेसर। कस्बे में ईद उल फ़ीतर का त्यौहार बड़ी हर्षोल्लास के साथ मनाया। कस्बे के मुस्लिम

भाइयों ने ईदगाह में ईद की नमाज पढ़ी व देश में अमन चैन शान्ति भाईचारे की दुआ मांगी। नई ईदगाह कब्रिस्तान के पास मौलाना खलील ने ईद की नमाज अदा करवाई। कस्बे की पुरानी ईदगाह मदीना मस्जिद मौलाना मुर्शीद रजा ईद की नमाज अदा करवाई। उपस्थित मुस्लिम भाइयों ने एक दूसरे के गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। वहीं भाजपा मण्डल के प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष विष्णु प्रजापत, गोपाल मारू पूर्व पालिकाध्यक्ष, खेमराज पारीक, सांवरमल खटौटक, मुकेश मारू, धनपत शर्मा, राजेश गर्ग सहित मण्डल कार्यकर्ताओं सहित कार्यकर्ता भवन के पास पहुंचा जहां नूर अशरफ़ी परिवार से मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। उसके बाद नूर अशरफ़ी परिवार के साथ छिपा महोल्ले में सभी से मुलाकात कर ईद मुबारकबाद दी। नूर अशरफ़ी परिवार के मुख्या हाजी चांद मोहम्मद ने बताया कि पिछले वर्ष मैंने भाजपा ज्वाइन की।उसके बाद परिवार ने भाजपा की रितीनीती से वाकिफ होकर हमारे परिवार के सभी सदस्यों ने ईद के मौके पर भाजपा परिवार में सामिल होने का संकल्प लिया। धानाधिकारी कमलेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस मुस्तेद रही, सुरक्षा के पूरे इंतजाम रहे एवं चप्पे चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात रहे। पूरे शहर में पुलिस की गाड़ी गश्त भी लगाती रही।

लक्ष्मणगढ़। मुस्लिम समाज के लोगों ने ईद का

त्यौहार ईदगाह में बड़ी धूमधाम से मनाया और एक दूसरे को ईद के त्यौहार की मुबारकबाद दी। जानकारी के अनुसार मुफ्ती उस्मान ने ईद की नमाज अदा कराई। वहीं इस मौके पर स्थानीय विधायक व पीसीसी चौफ गोविंद सिंह डोटासरा भी लक्ष्मणगढ़ पहुंचे और ईद की मुबारकबाद दी। पीसीसी चौफ डोटासरा ने प्रदेशवासियों को ईद व गणगौर के त्यौहार की बधाई देते हुए कहा कि ईद और गणगौर पर्व एक साथ हैं जो कि गंगा जमुना तहजीब का संदेश है। उन्होंने कहा कि यह संदेश है कि सब एक रहे और भाईचारा बढ़े। उन्होंने कहा कि गणगौर के पर्व को भी भाईचारे के साथ मनाया जाएगा। इस मौके पर एसडी एम मोहर सिंह मीणा, पुलिस थाना उपाधीक्षक दिलीप सिंह मीणा, सीआई महेंद्र सिंह शाहू, नगर पालिका अध्यक्ष मुस्ताफ़ा कुंरेशी, प्रधान मदन सेवदा, पालिका उपाध्यक्ष बनवारी लाल पांडे, कॉमेड भोजराज, शाकिर सोलंकी, शाबीर बाबू हाजी सहित शहर के जनप्रतिनिधि व हजारों की संख्या में मुस्लिम धर्म के लोग मौजूद रहे।

सरदारशहर। शहर में ईद के पावन अवसर पर अंजुमन स्कूल के पास बने ईदगाह में बड़ी संख्या में मुस्लिम बंधुओं ने ईद की नमाज अदा की। इस अवसर पर मौलाना उस्मान व मौलाना इब्राहिम की उपस्थिति में मुस्लिम भाईयों ने एक साथ ईद उल फ़ितर की नमाज अदा कर देश और दुनिया में

अमन चैन की दुआ की। इस अवसर पर विधायक अनिल शर्मा, नगर परिषद सभापति राजकरण चौधरी, नगर परिषद उपसभापति अब्दुल रशीद चायल सहित अनेक नेताओं ने मुस्लिम भाईयों को ईद की मुबारकबाद देकर सांप्रदायिक सोहार्द का संदेश दिया। ईद के पर्व को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के तौर पर डीएसपी रामेश्वर लाल सारण, धाना अधिकारी मदन लाल बिश्नोई सहित भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा। मुस्लिम महिलाओं ने अपने घरों पर ईद की नमाज अदा की। इसके साथ शहर की तमाम मस्जिदों में भी नमाज अदा की गई। नमाज के बाद ईदगाह से बाहर निकले मुस्लिम बंधुओं ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पार्षद रिजवान सैयद, असलम खान, फारूख ज़यान मोहम्मद सहित अनेक पार्षदों ने ईद की मुबारकबाद दी। नगर परिषद सभापति राजकरण चौधरी ने कहा कि होली और दीपावली त्यौहार के जैसे ही ईद का पर्व भी हम सब ने मिलकर एक साथ मनाया है।

सुजानगढ़ सुजानगढ़ में ईद का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। मुख्य नमाज आठ बजे के बाद शहर की ईदगाह मस्जिद पर हुई, जहां पर हजारों सिर एक साथ खुदा की बारगाह में झुके और मुल्क में अमन चैन शांति व भाईचारे की दुआ करने के साथ मुस्लिम भाईयों

ने गुनाहों के लिए तौबा की। शहर काजी मोहम्मद अकरम रिज्जी ने नमाज अदा करवाई। नमाज के बाद विधायक मनोज मेघवाल, उप सभापति अमित मारोठिया, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप तोदी, कांग्रेस नेता मोहम्मद इदरीश गौरी, बजरंग सैन, युनुस खान हाशमखानी, रफीक खिची, फारूक भुट्टा, पार्षद इस्माईल खान, अजमद खान कायमखानी, ईकबाल खां कायमखानी, पूर्व मंत्री खेमराम मेघवाल, पवन माहेश्वरी, अयूब नसवान आदि ने लोगों को ईद की मुबारकबाद दी। इसी प्रकार जन्निहत संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष एडवोकेट रामकुमार मेघवाल, पूर्व पार्षद सिराज खान कायमखानी, साबिर अली चौहान, नूर मोहम्मद खान पहाड़ियान, रोशन रंगरेज, शाकिर खान, सदास कादरी, युनुस खां हाशमखानी, बशीर फ़ौजी सहित बड़ी संख्या में लोगों ने एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। वहीं ईदगाह पर नमाज से पहले होली धोरा स्थित सुवेदार मोहम्मद ईकबाल खां के घर पर शहर काजी मोहम्मद अकरम रिज्जी का स्वागत किया गया और से परम्परागत रूप वहां पर घोड़े पर सवार होकर काजी साहब ईदगाह मस्जिद पहुंचे। वहीं शहर की अन्य मस्जिदों में भी अकीदत के साथ नमाज अदा की गई। घरों में मीठे फकवान बनाए गए। लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद की शुभकामनाएं दीं।

गौर ए गणगौर, म्हाने पूजन दयो गणगौर, परंपरागत रूप से निकली ईसर गणगौर की सवारी



राजलदेसर



रतनगढ़



लक्ष्मणगढ़



सरदारशहर



सरदारशहर



सुजानगढ़

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे नव युवतियों और नव विवाहिताओं के सोलह दिवसीय गणगौर पर्व हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कस्बे में नव विवाहिताओं ने सोलह दिन तक मिट्टी से बनी गणगौर ईशर की पूजा अर्चना की। जिसके बाद स्थानीय सुभाष चौक बस स्टेशन पर ईशर गौर की प्रतिमा को गांजे बाजे के साथ पहुंचे। वहां टाटिया कुएं के फेर लेकर धिवाह की रस्म निभाई। उसके बाद मेला भरा जिसमें नवविवाहिता और युवतियां सज धज कर आईं। मेले में बच्चों ने युवतियों ने खरीदारी कर मेले का लुप्त उठाया। धानाधिकारी कमलेश कुमार मय जाब्ता सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रही। पं देवकीनन्दन दाधिव ने बताया कि कस्बे में एक ईशर चार गौर निकाले जाते हैं। जो टाटिया कुएं के परिक्रमा लगाकर फेरे की रस्म निभाता है। इसके बाद मंगलवार को गौर को मुख्य बाजार से विदाई दी जाएगी। नवविवाहिता डीजे पर गीत गाते हुए सुभाष चौक बस स्टेशन पहुंची और ईशर के साथ अपने गौर को परिक्रमा दिलाकर फेरे की रस्म निभाई। मंगलवार को गौर को विदा दी जाएगी।

रतनगढ़ ईसर जी तो पेचो बांधे गौरा बाईं पेच सवारे ओ राज... व राणी ने धो राजपाट, म्हान म्हारे सर्व सुहाग... जैसे भावनात्मक लोक गीतों के साथ नवविवाहिताएं, बालिकाओं और महिलाओं ने गणगौर का विसर्जन किया। सुबह महिलाओं ने गणगौर की पूजा की और शाम को शहर में नगरपालिका के तत्वावधान में गणगौर की सवारी निकाली गई। गढ़ परिसर में पालिकाध्यक्ष अर्चना सारस्वत, पार्षद

रामगोपाल चौधरी, नंदकिशोर भार्गव, जसकरण गौड़, कुंदन स्वामी सहित कई पार्षदों ने ईसर व गणगौर की प्रतिमाओं का पूजन कर सवारी को रवाना किया, जो पश्चिमी बाजार, दास बालाजी मंदिर, अशोक स्तंभ, गढ़ का कुआ, रामचंद्र पार्क, अमर रामलीला मैदान, सूर्य सिनेमा व मोरी बाजार होती हुई पुन गढ़ परिसर पहुंची। इन स्थानों पर हजारों महिलाओं ने गणगौर ईसर के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। साथ ही कई महिलाओं ने घरों की छत पर खड़े होकर सवारी पर ज्वारा की वर्षा की तथा पूजन स्थलों पर सवारी पर पुष्प वर्षा की गई। इस मौके पर पालिकाकर्मों, पार्षद, पंचायत समिति सदस्य, व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

सरदारशहर। शहर के ताल मैदान स्थित गणगौर घाट पर ताल ट्रस्ट संयोजक शोभाकांत स्वामी के नेतृत्व में गणगौर विसर्जन के लिए टीम ने व्यवस्था की। बड़ी संख्या में नवविवाहिताओं व युवतियों ने नम आंखों से गणगौर को विदाई दी गई। बड़ी संख्या में महिलाओं ने डीजे व ढोल नगारों के साथ ताल मैदान स्थित गणगौर घाट पर पहुंचकर गणगौर का विसर्जन किया। ताल ट्रस्ट संयोजक शोभाकांत स्वामी ने बताया कि हर साल की भांति इस साल भी गणगौर विसर्जन के लिए गणगौर घाट पर गणगौर महोत्सव व गणगौर विसर्जन को देखते हुए टीम की ओर से व्यवस्थाओं के लिए पूरी टीम को अलट किया गया। वहीं महिलाओं व नवविवाहिताओं के लिए टीम की ओर से गणगौर विसर्जन को लेकर व्यवस्थाएं की गई हैं। इस अवसर पर शोभाकांत स्वामी, महावीर माली, शंभु दयाल पांडिया, शंकर लाल प्रेमानो, गौरी शंकर कर्दई, अभिषेक

पारीक, बाबूलाल स्वामी, कनकमाल नाई, राम प्रसाद सुधार, ओमप्रकाश तिवारी, भगवती सोनी, देवेश जोशी, मुखराम नाथोलिया, भंवरलाल सोनी, प्रकाश पापटन सहित कार्यकर्ताओं ने व्यवस्थाएं संभाली।

सरदारशहर। शहर में गणगौर महोत्सव को लेकर नगर परिषद की ओर से नए नवाचार करते हुए इस बार तीन दिवसीय गणगौर महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें रविवार को नगर परिषद की ओर से राजवाला कुआं के पास गणगौर महोत्सव कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद के सभापति राजकरणा चौधरी सहित टीम की ओर से राजस्थानी संस्कृति के तहत घूमर सहित गणगौर के गीतों का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी देखने को मिली। महिलाओं ने गणगौर महोत्सव पर रखे गए सांस्कृतिक कार्यक्रम व अनेक प्रतियोगिताओं का जमकर लुप्त उठाया। गणगौर महोत्सव के दौरान रखे गए कार्यक्रम में गायक कलारकर नेहा माहेश्वरी व पूजा जागिड़ ने एक से बढ़कर एक लोक संस्कृति गीतों पर नाचने पर मजबूर कर दिया। वहीं सोमवार को नगर परिषद की ओर से नगरपालिका सैन्य सहित बड़ी संख्या में शहर के लोग नगर परिषद में गणगौर माता व ईश्वर जी की पूजा अर्चना के बाद नगर परिषद से शाही सवारी निकली जो मुख्य रस्तों से होते हुए बोडिया कुआं पर पहुंची। जहां पर महिलाओं ने गणगौर माता में ईश्वर की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। गणगौर वापस बोडिया कुआं से रवाना होकर गणगौर सवारी नगर परिषद पहुंची। इस अवसर पर नगर परिषद राजवाला कुआं व, बोडिया कुआं पर गणगौर का मेला भी भर

गया। गणगौर महोत्सव के दौरान भीड़ को देखते हुए पुलिस का जासा भी तैनात किया गया।

लक्ष्मणगढ़ महावीर सेवा समिति की ओर से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली गणगौर माता की शोभायात्रा इस वर्ष भी शहर के चौपड़ बाजार स्थित महावीर सेवा समिति के कार्यालय से प्रारंभ हुई जो कि शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए मैला स्थल रामलीला मैदान पहुंची जहां पर ईशर और गणगौर माता की पूजा अर्चना की गई। इससे पूर्व शोभायात्रा के दौरान नव विवाहिताओं ने गणगौर माता की परिक्रमा करते हुए जहव्यारे अर्पित किए। शोभा यात्रा के दौरान महावीर सेवा समिति के अध्यक्ष मनोज मिश्रा, सह मंत्री विष्णु शर्मा,भाजपा नेता दिनेश जोशी, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष ललित पंवार, गोपाल लाटा, शिक्षाविद पवन गोयनका, जय प्रकाश सरावगी, संजय जोशी, आलोक पाराशर, ललित भूत,प्रमोद मंगलूना वाला, यादव कुमार शर्मा, विनोद बनाई वाला, दिन दयाल जोशी, सुरेश बीबीपुरिया, कमल सुरीलिया, योगेश गोंयंका,हुकमल नयन मिश्रा, प्रह्लाद रिंगिसिया, रतन सिंह बगड़ी, पार्षद मुकेश सैनी, पूर्व पार्षद सत्य नारायण सैनी सहित बड़ी संख्या में शहर के लोग मौजूद रहे। इसी तरह शहर की खाट् की कुई के पास स्थित सीताराम जी के मंदिर से भी गणगौर माता की शाही सवारी निकाली गई जो मुख्य डाकघर के पास मैला स्थल पहुंची जहां पर गणगौर माता की पूजा अर्चना की गई।

सुजानगढ़ गणगौर का पर्व शहर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। परम्परागत रूप से लुहारगाड़ा स्थित भंवर खां मोयल के घर के सामने सैकड़ों की

संख्या में महिलाओं और युवतियों ने गणगौर ईसर की पूजा अर्चना की। इसके बाद वैड बाजों के साथ सवारी को नगर भ्रमण करवाया गया। दूसरी ओर नगरपरिषद में भी परम्परागत रूप से उप सभापति अमित मारोठिया, नेता प्रतिपक्ष जयश्री दाधीच, भाजपा नेता कमल दाधीच, पार्षद दीनदयाल पारीक, नगरपरिषद के ओमप्रकाश स्वामी, तिलोकचंद आदि ने गणगौर ईसर की पूजा अर्चना की। पं. बोंदूराम शास्त्री ने पूजा अर्चना करवाई। इसके बाद महिलाओं और युवतियों ने गणगौर ईसर की पूजा अर्चना की। यहां से सवारी शुरू हुई, जो वैड बाजों के साथ घंटाघर चौक पर पहुंची, जहां पर भी पूजा अर्चना की गई। इसके बाद स्टेशन रोड होते हुए सवारी नया बाजार पहुंची, जहां पर गणगौर का मेला भरा। इसी प्रकार सांखला बास में गणगौर की पूर्व संस्था पर गणगौर महोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम मनाया गया, जिसमें दिव्या शर्मा, विमला पारीक, महिमा पारीक, दीक्षा पारीक, सेव्या पारीक, कोशला नाय, सुमन जोशी, गुनगुन सेन आदि ने खूब जमकर नृत्य की प्रस्तुतियां दी।

चूड़। अंचल में सोमवार को गणगौर पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यहां पुरानी सब्जी मंडी में गणगौर का भव्य मेला भरा। महिलाओं ने एक पखवाड़े तक गणगौर का पूजन किया और सोमवार को गांजे-बाजे के साथ मंगल गीत गाकर पावटे कुएं में गणगौर का विसर्जन कर विदाई दी। शहर में पांच गणगौर की सवारायां गांजे-बाजे के साथ निकाली गई। मेले में आई महिलाओं ने गणगौर माता के दर्शन कर मनीतियां मांगी। सभी

महिलाओं ने पूजा-अर्चना कर अपने सुहाग और समृद्धि की कामना की। खीर और ढोकले का प्रसाद लगाकर जल श्रृंगण किया। पंडितों ने विधि-विधान से पूजन अर्चना करवायी। यहां बड़े मंदिर से राज की गणगौर और लखोटिया की गणगौर पंचमुखी बालाजी मंदिर के पास विराजमान हुई। गुजरका की गणगौर गुजरका चौक से, कोठारियां की दो गणगौर रामगढ़िया दरवाजे और वार्ड 35 बजरंग बली चौक से निकली। शाम को सभी गणगौर प्राचीन गढ़ के पास एकत्र हुई। गढ़ चौराहे से सवारी सफेद घंटाघर होते हुए सब्जी मंडी पावटा कुआं मैला स्थल पहुंची। कार्यक्रम में विधायक हरलाल सहारण, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे।

बीदासर। गढ़ परिसर से गणगौर की सवारी शाही लवाजमें के साथ सोमवार को गांधी चौक होते हुए गणगौर की चौक पहुंची। जहां पर मेला भरा गया। इस दौरान ईशर व गौर को कुएं के फेरे दिलाकर पंडित चंद्रशेखर दाधीच ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना कराई। वही गणगौर की सवारी देखने के लिए सैकड़ों लोग पहुंचे। इस अवसर पर गढ़ के राजा किशनराज सिंह बीदावत, राजकुमार सिंह, विधायक मनोज मेघवाल, नगर कांग्रेस अध्यक्ष जेठाराम यादव, बाबूलाल दुगड़, जवाहर सिंह राठौड़, अमयराज बेंगणो, सुशील मोदी आदि उपस्थित रहे। वही डीएसपी प्रहलाद राय व धानाधिकारी कैलाशचंद्र यादव की उपस्थिति में कानून व्यवस्था चाकचौबंद रही।

महर्षि गौतम के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान



जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के अखिल भारतवर्षीय गुर्जरगोड ब्राहमण महासभा की ओर से न्यायशास्त्र के रचयिता महर्षि गौतम की जयंती धूमधाम से मनाई गई। महर्षि गौतम के चित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया गया। वक्ताओं ने महर्षि गौतम की जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके आदर्शों पर चलने व जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया और सामाजिक बुराइयों को त्यागने व संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। आगामी 14 अप्रैल को स्नेह मिलन समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर रामस्वरूप उपाध्याय, खिचकरण जोशी, युवक संघ के प्रदेश संगठन मंत्री अरुण शर्मा, तुलसीराम जोशी, रामकिशन वत्स, भारत भूषण पिरगावत, गोविन्द प्रसाद गौल, बजरंग जोशी, परसाराम पिरगावत, राकेश लमाणी, रामकृष्ण उपाध्याय सहित गुर्जरगोड समाज के लोग उपस्थित रहे।

तनवी दाधीच व यशिका खंडेलवाल करेगी राजस्थान का प्रतिनिधित्व



जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। खेलो इंडिया सब जूनियर नेशनल वुशू प्रतियोगिता में तारानगर की तनवी दाधीच और यशिका खंडेलवाल राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगी। चारू वुशू सचिव चिंकंत शर्मा ने बताया कि गुजरात के गांधीनगर में राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी में आयोजित खेलों इंडिया राष्ट्रीय सब जूनियर वुशू प्रतियोगिता में तारानगर की स्टार स्पोर्ट्स एकेडमी में अभ्यासरत खिलाड़ी तनवी दाधीच और यशिका खंडेलवाल टीम मैनेजर सुशील दाधीच के नेतृत्व में भाग लेंगी।

एड. गजराज सिंह राजवी क्षत्रिय विकास संस्थान के अध्यक्ष बने

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के सुशील राजपुरोहित की अध्यक्षता में करबे के महाराजा तारासिंह स्मृति छात्रावास में समिति की बैठक आयोजित हुई। इसमें एडवोकेट गजराज सिंह राजवी को सर्वसम्मति से क्षत्रिय विकास संस्थान का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह राठौड़ ने चुनवा अधिकारी मेजर दयाल सिंह राठौड़ व मनफुल सिंह बागोर की उपस्थिति में गजराजसिंह के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका सभी ने समर्थन किया। इस मौके पर कसान करणीसिंह, किशन सिंह राठौड़, अर्जुन सिंह, ईश्वर सिंह, नट्युसिंह, कल्याण सिंह, तारासिंह, बलवीर सिंह, प्रह्लाद सिंह, मोहरसिंह, मातुसिंह, संदीप सिंह, जयमाल सिंह राठौड़ सहित कई लोग उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प यात्रा का लक्ष्मणगढ में भव्य स्वागत



जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, लक्ष्मणगढ़ की ओर से आयोजित सेवा संकल्प यात्रा के तहत ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी संजय कोर्तनीया, संभाग प्रभारी मनोज शर्मा, रामगढ़ प्रभारी प्रशांत जोशी, फतेहपुर प्रभारी राजकुमार सैनी सहित अन्य पदाधिकारी लक्ष्मणगढ़ पहुंचे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। जिसके बाद अतिथियों का तिलक कर सम्मान किया गया। स्वागत समारोह में ट्रस्ट के अध्यक्ष की ओर से स्वागत भाषण दिया गया। जिसमें उन्होंने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर ट्रस्ट के रामगढ़ प्रभारी प्रशांत जोशी ने कार्यकर्ताओं को सेवा भाव के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। वही लक्ष्मणगढ़ शाखा के संरक्षक दिन दयाल जोशी ने ट्रस्ट की ओर से किए जा रहे विभिन्न सेवा कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में संरक्षक दीनदयाल जोशी, प्रकाश पासोरिया, निरधारी लाल जाजोदिया, कमल कुमावत, अमित सोनी, रामपाल कुमावत, सुनील कुमार माली, सुरेंद्र भंडार, रोहित दईया, लोकिंत दईया, महेंद्र घासोलिया, विजय कुमावत, अनुपम शर्मा, चंद्र प्रकाश चोटीया, संदीप नाथोलिया, भंवरलाल कुमावत, बुधराम कुमावत, किशन जोशी, असलम, अकरम, तालिब सहित ट्रस्ट के संरक्षक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उत्सव, त्यौहार और परंपरा से ही भारतीय संस्कृति है विद्यमान: गेंदालाल

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर में श्रीराम जन्मोत्सव आयोजन समिति की ओर से अगसैन भवन में रविवार को आयोजित भारतीय नववर्ष विक्रम संवत् 2082 के पचाड़ विमोचन कार्यक्रम के मुख्य वक्ता गेंदालाल सह क्षेत्र कार्यवाह राजस्थान ने कहा कि विषय में मिश्र, बेबिलोनिया, रोम आदि सभ्यतायें समाप्त हो गईं। लेकिन हमारी भारतीय सभ्यता और संस्कृति आज भी अस्तित्व में है तो इसका कारण हमारे पुरखों की ओर से हमें दिए गए उत्सव, परम्परा और त्योहार है जो हम सभी को जोड़े हुए है। नववर्ष का प्रथम दिवस कई मानवों में अपना महत्व रखता है। आज ही के दिन भगवान रामचन्द्र जी का राज्याभिषेक हुआ। आज के ही दिन युधिष्ठिर का भी राज्याभिषेक हुआ। जिस समय सम्पूर्ण देश में अंग्रेजी सरकार की गुलामी में हमारा देश स्वाभिमान खो चुका था ऐसे में स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना कर समाज के आत्मगौरव को जागृत करने का कार्य किया। आज के ही दिन हमारे सिख पंथ के दूसरे गुरु अंगदेव जी का प्रकाश पर्व मनाया जाता है। आज ही के दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना प्रारंभ की थी। जब देश में



चारों तरफ जब हिन्दू समाज में निराशा का वातावरण था, ऐसे समय में हिंदू समाज के संगठन का कार्य करने के लिए केशव बलिराव हेडगेवार ने संघ की स्थापना की थी। आज उनका भी जन्मदिवस है। इस वर्ष में अंग्रेजी सरकार की गुलामी में हमारा देश स्वाभिमान खो चुका था ऐसे में स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना कर समाज के आत्मगौरव को जागृत करने का कार्य किया। आज के ही दिन हमारे सिख पंथ के दूसरे गुरु अंगदेव जी का प्रकाश पर्व मनाया जाता है। आज ही के दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना प्रारंभ की थी। जब देश में

साथ बैठकर बच्चों को हमारे महापुरुषों की कहानियां सुनानी चाहिये। जिस देश में गुरुकुल व्यवस्था में हर ग्राम, नगर में समाज की ओर से पोषित विद्यालय स्थापित था, वहां मैकाले के प्रभाव से इस पूरी व्यवस्था को नष्ट कर दिया गया। ये कैसे संभव हुआ इस पर हमें विचार करना चाहिए। आज समाज को दुष्ट प्रवृत्ति के जनों की पहचान करने की आवश्यकता है। समाज की विघटनकारी शक्तियों के दमन की आवश्यकता है। सम्पूर्ण हिन्दू समाज एक हो, हमारा कोई भाई अपने को अलग महसूस न करें यह भाव सभी में जागृत हो।

आज भी जो लोग इस प्रकार की मानसिकता से ग्रस्त उन्हें मीरा बाई के जीवन को देखना चाहिये। जिन्होंने ज्ञान के कारण वाल्मीकि समाज के रविदास को अपना गुरु बनाया। हमें उड़ुपी के कनकदेव जी का जीवन भी इस विषय में शिक्षा देता है। नीची समझी जाने वाली जाति से होने के कारण उन्हें मंदिर के सामने नहीं आने दिया जाता था। उनके शुद्ध प्रेम और श्रद्धा के कारण भगवान ने उन्हें मंदिर के पीछे की ओर दर्शन दिए। ईश्वर के यहां यह जाति का भेद नहीं है तो फिर हमें इसको छोड़कर एकटस समाज की ओर बढ़ना चाहिए। संघ

की ओर से समाज के समक्ष कुटुंब प्रबोधन, समरसता, पर्यावरण, स्व का जागरण और नागरिक कर्तव्य जो पाँच बिंदु पंच प्रण के रूप प्रस्तुत किए हैं उन सभी को हमें अपने परिवार में लागू करना चाहिए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभु श्री रामलला के चित्र के समक्ष ददीप प्रज्वलित कर श्रीराम स्तुति से किया गया। मंचस्थ अतिथि गेंदालाल, समिति अध्यक्ष सुबोध सेठिया, जिला संघचालक डॉ बनवारी लाल शर्मा, समाजसेवी शिवरतन सराफ, मधुसूदन राजपुरोहित, तालचंद मुंड, शम्भुदयाल पारीक, रतनलाल बुच्या, हिरालाल सोनी, बबलू अठवाल, मोहन कांविलिया का तिलक लगाकर और यात्रा संयोजक सुरेश वर्मा और पूर्वी बरती संयोजक नवदीप पारीक ने श्रीराम नाम का दुपटा पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर समिति सदस्य सुभाष सोनगरा ने कार्यक्रम की प्रस्तावना और शोभयात्रा के स्वरूप को उपस्थित सर्वसमाज के लोगों के समक्ष प्रस्तुत कर सभी से सुझाव और विचार आमन्त्रित किए। कार्यक्रम का संचालन अभिलाष चौहान ने किया। इस अवसर तहसील के सैकड़ों सर्वसमाज के बन्धु, मातृशक्ति व कार्यकर्ता कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों पर चर्चा

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के श्री छः न्याति ब्राह्मण महासंघ की कार्यकारिणी की बैठक सोमवार को श्री लोक रंजन परिषद में आयोजित हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कमला प्रसाद जोशी की ओर से गई। संस्था के संरक्षक आचार्य बालकृष्ण कोशिक ने आगामी 10 अप्रैल को कार्यकारिणी के शपथग्रहण समारोह में विभिन्न सुझावों को देकर साथु संतों को आमंत्रित करने सम्बंधित सुझाव दिया। तत्पश्चात कार्यकारिणी की ओर से विभिन्न ब्राह्मण समाज के साथुओं को आमंत्रण दिया जाएगा। पार्षद लालबहादुर सेवदा ने कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला व आगामी कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा कर सुझाव दिए। संस्था के महामंत्री अभिषेक पारीक ने बताया शपथग्रहण समारोह में कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्रदेश अध्यक्ष पाराश नारायण शर्मा की ओर से जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के लिए राजलदेसर पीठ से महाराज जोगेन्द्राश्रम महाराज,



निवृत्तिनाथ महाराज, विक्रमनाथ महाराज पालवास, दंडी स्वामी शिवेन्द्राश्रम महाराज, नरहरिनाथ महाराज फतेहपुर, रोशन नाथ फतेहपुर महाराज सहित अन्य साथु संतों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के लिए छः न्याति ब्राह्मण समाज के देश व प्रदेश के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमन्त्रित किया गया है। संस्था के मीडिया प्रभारी सुरेश लाटा ने बताया कार्यक्रम के

प्रचार प्रसार के लिए समाज बन्धुओं से सम्पर्क किया जा रहा है। संस्था के संरक्षक श्याम लाल गिल ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर शंभुदयाल पांडिया, कमला प्रसाद जोशी, मुखराम नाथोलिया, नवल किशोर शर्मा, श्याम लाल गिल, मांगीलाल नाथोलिया, पवन महर्षि, बजरंग शर्मा, विकास पारीक, लाल बहादुर सेवदा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

कर्नल किरोड़ी सिंह बैसला को गुर्जर समाज ने दी श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(निस.सं.)। गुर्जर आरक्षण आंदोलन के प्रणेता कर्नल किरोड़ी सिंह बैसला की तृतीय पुण्यतिथि पर सोमवार को श्रद्धा और सम्मान के साथ देवनारायण मंदिर ट्रस्ट समिति सुजानगढ़ की ओर से देवनारायण भगवान मंदिर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन रखा गया। गुर्जर समाज के लोगों ने कर्नल बैसला की तस्वीर पर दीप प्रज्वलन के साथ पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। ट्रस्ट अध्यक्ष नरेन्द्र गुर्जर ने कहा कि कर्नल बैसला के पद चिन्हों और उनकी ओर से बताए गए रास्ते पर चलकर समाज को उचित दिशा और मार्गदर्शन देने के लिए सामूहिक रूप से काम हम लोगों को करना चाहिए। इस अवसर पर कर्नल बैसला की प्रेरणा और विचारों को आत्मसात करते हुए समाज में शिक्षा के व्यापक प्रचार-प्रसार और जरूरतमंद विद्यार्थियों को सहयोग करने का संकल्प लिया। लोगों ने समाज को आरक्षण दिलाने और समाज सुधार के लिए किए गए कर्नल बैसला के प्रयासों को याद किया। मदनलाल भड़गान ने कहा कि सामाजिक क्रांति के अग्रदूत के रूप में कर्नल बैसला के प्रयासों से मिले एमबीसी आरक्षण की



बदौलत वर्तमान में समाज के युवाओं को सरकारी सेवाओं में रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। वहीं नरेश छावडी ने देवनारायण बोर्ड और ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूल-कॉलेज, छात्रावास खुलवाने का श्रेय भी उन्हीं को जाता है। इससे समाज का पिछड़ापन दूर हो रहा है। लोगों ने कर्नल बैसला के संदेश अच्छी शिक्षा, अच्छा स्वास्थ्य और कर्ममुक्त समाज के सपने को साकार करने का संकल्प लिया। रितेश सराधना ने कहा कि कर्नल साहब की ओर से दिलाए गए आरक्षण का जितना

लाभ समाज को मिलना चाहिए, उतना लाभ नहीं मिल रहा है। संचालन अजय सिराधना ने किया। इस दौरान मनसुख खटाणा, प्रेमसुख लीलू, ओमप्रकाश सोहन, किशोर डोई, सावरमल हाकला, प्रमोद सौरठ, नरेश छावडी, मदनलाल भड़गान, मनोज बोकण, हेमन्त सराधना, जगदीश सिराधना, दिनेश बोकण, रितेश सरधना, राजकुमार छावडी, धनेश खटाणा, मनोहर खटाणा, मनोहर भड़गान, पुखराज लीलू, सुशील लीलू, कैलाश छावडी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

नगरश्री में साहित्य गोष्ठी में बांधा समां

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। लोक संस्कृति शोध संस्थान नगर श्री में रविवार शाम को साहित्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। सचिव श्याम सुन्दर शर्मा ने बताया कि प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को होने वाली पं. कृंज विहारी शर्मा स्मृति साहित्य गोष्ठी की 172वीं कड़ी में एडवोकेट अनन्तराम सोनी की अध्यक्षता व हरिसिंह के विशिष्ट सान्निध्य में आयोजित हुई। गीता रावत की कविता-सोने सी रेत यहां बिखरी है..., लड़कियां बेवफा नहीं होती से गोष्ठी का आगाज हुआ। मंगलन्यास भारती ने नव संवत्सर का यह पावन शुभ मास..., अब नहीं दिखे गौरैया..., संदीप

जागिड़ ने शारी हो गई है दूर किसी गांव में मैं..., अनिल रजनी कुमार ने गीत धन म्हारा देश बीकाणा...,रोहिताश ने इक आवाज ने मेरी आवाज दबा रखी है..., पिंदू शर्मा भारतीय ने राजस्थानी कविता-बातड़ल्या सूं बधैं हेत..., मायड जेड़ो हेत... कविताओं को सुना कर खूब सराहना पाई। आशीष गौतम 'आशु' ने उन्नीती की ओर जीवन होता रहे अगसर...तथा व्यंग्य रचना एक दिन मैं भी गया था, थाने में... सुना कर खूब दाद पाई। विजयकांत शर्मा की व्यंग्य कविता-कई कुंवारा दूढर्या आहणे आयो दौर...,कभी सोचा दिल के जज्वात लिख दूँ...,दीपक कामिल की गजल-मेहरते, तालियां, इज्जतें दे शायरी..., राजस्थानी वीरता का क्या हो

पर्याय दूढने से ना मिले..., मुकेश 'मनमोजी' की गजल हर जगह हर घड़ी तलाशोंगे तेरी मौजूदगी, मनमीत सोनी के गीत-अरावली के घाँट पर्वत हम दोनों के यही हिमालय..., दिन में डर सा बैठ गया... प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में समां बांध दिया। डॉ. श्यामसुन्दर शर्मा ने शास्त्रीय राग पर आधारित गीत-यह भारत देश है मेरा..., कभी कहा नहीं किसी से तेरे फसाने को..., पंकज भार्गव ने ये किस तरह का तमाशा है शहर में... कविता गीतों पर खूब दाद दी गई। विशिष्ट अतिथि हरिसिंह ने उद्बोधन दिया। अध्यक्ष अनन्तराम सोनी ने अपनी कविता-मीठी-मीठी नदियां मिलती फिर भी सागर खारा...सुनोई। गोष्ठी का संचालन रमेश सोनी एडवोकेट ने किया।

खुशियों के साथ मनाई ईद-उल-फितर: देश में अमन की दुआ

जयपुर टाइम्स



मण्डावा(निस)। एक महीने के रोजे रखने के बाद सोमवार को ईद-उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रविवार शाम को चांद नजर आते ही शहर में ईद की खुशियां छा गईं और लोग एक-दूसरे को बधाइयां देने लगे। सोमवार सुबह फतेहपुर मार्ग स्थित मुख्य ईदगाह में ईद की नमाज का विशेष आयोजन किया गया। शहर काजी इरशाद अहमद ने सुबह 8 बजे नमाज अदा कराई। नमाज से पहले इस्लामिक शिक्षाओं और भाईचारे पर प्रकाश

अपना घर अनाथ आश्रम में दिया सहयोग



जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के फ्रेंड्स फोरेवर सोसायटी संगठन की ओर से अपने दिवंगत सदस्यों स्व अरुण सोनी व स्व सुनील जागिड़ की पुण्य स्मृति में तारानगर रोड पर स्थित अपना घर अनाथ आश्रम में एक इन्वर्टर व 2 बैटरी देकर सहयोग किया है। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष प्रसन्न धूत, सचिव राजन जागिड़, सदस्य महावीर सोनी, अमित आंचलिया, गौरीशंकर भोजक, राकेश जोशी, रमेश भित्तल, नितिन सेठिया, कपिल शर्मा आदि उपस्थित रहे। अपना घर आश्रम के संचालक रामकिशन ने सोसायटी के सदस्यों का इस पुण्य कार्य के लिए आभार व्यक्त किया।

नमाज अदा करके मांगी अमन-चैन की दुआ



जयपुर टाइम्स

खेतडी(निस.)। खेतडी कस्बे में ईद उल फितर का त्योहार सांप्रदायिक सौहार्द के साथ मनाया गया। कस्बे की ईदगाह में मुस्लिम समुदाय के सैकड़ों लोगों ने नमाज अदा की। इस अवसर पर दर्जनों हिंदू भाईयो ने भी ईदगाह जाकर मुस्लिम भाइयों को ईद की शुभकामना दी। मौलाना शाकीब ने कहा कि पूरे देश में ईद उल फितर की नमाज के साथ अमन-चैन की दुआ मांगी गई। उन्होंने भाईचारे की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। मौलाना ने कहा कि एक मुसलमान को नेकी और भाईचारे के साथ रहना चाहिए। त्योहार की तैयारियां एक सप्ताह पहले से शुरू हो गई थी। सोमवार को मुस्लिम परिवारों में खुशियों का माहौल था। घरों में रिश्तेदारों के लिए दावतों की तैयारियां की गईं। खेतडी के अलावा बवाई, पुरना, सिंघाना, खेतडी नगर और मेहाड़ा में भी ईद की नमाज अदा की गई। कार्यक्रम में भामाषाह मनोज घुमरिया, पूर्व वाइस चेयरमैन काशम अली, ईलामुदीन खान, आजाद अहमद, बाबु खान, आशम अली, अधिवक्ताअ फारुख अली, मोहम्मदद हारून, मन्थुर अली, तिलाधर सैनी, गो?कुल चन्दत सैनी, अमित सैनी, गफफार खान, जावेद खान, अनवर खान, शाहरुख खान, रहीश अहमद, नफीस अहमद, आजाद अहमद, इनायत खान, उमरदीन समेत कई लोग शामिल हुए।

डालते हुए बयान दिया गया। देश में अमन-चैन की दुआ भी की गई। ईदगाह में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की और एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। आमीन करी ने खुल्वा पढ़ा। ईदगाह में मण्डावा राज परिवार के ठाकुर अंगददेव सिंह, पूर्व चेयरमैन सज्जन मिश्रा, पालिकाध्यक्ष नरेश सोनी पहुंचे और लोगों को ईद की

मुबारकबाद दी। नमाज के बाद, घरों में विशेष पकवान बनाए गए, जिनमें सेवइयां, शीर खुरमा और अन्य पारंपरिक व्यंजन शामिल थे। लोगों ने अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के घर जाकर उन्हें ईद की शुभकामनाएं दीं। बच्चों में भी ईद की लेकर खास उत्साह देखा गया, जिन्हें ईदी के रूप में उपहार और पैसे मिले। ईद-उल-फितर न केवल धार्मिक आस्था का पर्व है, बल्कि यह आपसी प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश भी देता है। शेखावाटी अंचल समेत पूरे देश में यह पर्व बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ ईद-उल-फितर मनाया जा रहा है।

पाबूसर में द्यूबवेल स्वीकृत होने पर पूर्व मंत्री रिणवा का अभिनंदन



जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। राज्य सरकार से दो द्यूबवेल स्वीकृत करवाने पर ग्रामीणों ने पूर्व मंत्री रिणवा के आवास पर पहुंचकर उनका स्वागत किया और समस्या के समाधान के लिए आभार जताया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री रिणवा ने कहा कि हार - जीत अलग बात है, क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं का आमजन हक है। मैंने अपने क्षेत्र के विकास कार्य बिना भेद-भाव के किया है। इस अवसर पर ग्रामीणों ने बताया कि हमारे गाँव में पेयजल के लिए जो पाइप लाइन बिछी हुई है वो काफी पुरानी है। जगह-जगह से पाइप लाइन टूट गई है। जिससे पानी व्यर्थ बहता है इसीलिए नई पाइप लाइन स्वीकृत करवाए। इस मौके पर सुरेन्द्र जागिड़ पाबूसर, पूर्व पंचायत समिति सदस्य, गजानंद प्रजापत, सुरेश कुमार, भजनलाल मेघवाल, लालचन्द सोनी, छरीराण मेघवाल, मालाराम प्रजापत, सहरीराम प्रजापत, तिलोक मेघवाल, रामेश्वर प्रजापत, मांगीलाल मंगलहारा, गजानंद मंगलहारा, ओमप्रकाश लुहार, रामचन्द्र मेघवाल, जगदीश मेघवाल, राजकुमार, मुरारी लाल मेघवाल, पूनमचन्द्र मेघवाल, हरिराम मेघवाल, ज्ञानाराम मेघवाल, संतोष काछवाल आदि उपस्थित रहे।

राजेन्द्र राठौड़ ने की गणगौर स्नेह मिलन समारोह में शिरकत



जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। मण्डावा गढ़ में सोमवार शाम को गणगौर पर्व के उपलक्ष में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणगौर स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें राज परिवार के शिवार्जुन सिंह, अनिरुद्ध सिंह और अंगद देव सिंह ने मेहमानों का स्वागत किया। कार्यक्रम में विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ चुरू विधायक हरलाल सिंह सहारा, भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, उपाध्यक्ष प्यारेलाल दुर्किया, पूर्व प्रधान निरधारीलाल खीचड़, कमलकांत शर्मा, संजय चौपदार, एचएस मोगा, एडवोकेट राज कुमार सैनी, पार्षद मोहम्मद इब्राहिम, हरी राम चेजारा, पालिका उपाध्यक्ष नबाव खत्री, मण्डावा धानाधिकारी राम निवास, महिलाएं सिंह तोलियासर, संदीप शर्मा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी, पार्षद संदीप परिहार, महेन्द्र चन्दवा, राजेश बाबल, शीवचरण गाड़ोदिया, राधेश्याम सैनी, दीपक खाण्डल, कैलाश पीपलवा, डॉ हरिसिंह सहाराण अधिकारी, जन प्रतिनिधियों सहित सैकड़ों लोग मौ मौजूद रहे।

रॉन्ग साइड से आए ट्रैक्टर ने पिता-पुत्र को टक्कर मारी

अजमेर(निस)।अजमेर के फ़िरिचयन गंज थाना क्षेत्र में रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रैक्टर ने स्कूटी सवार पिता-पुत्र को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से 15 साल का बच्चा उछल कर गिर गया। इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई। पिता ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ़ फ़िरिचयनगंज थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फ़िरिचयन गंज थाना पुलिस के अनुचर पंचशील रोड हनुमान नगर निवासी हरदयाल सिंह ने मुकदमा दर्ज करवाया है। पीड़ित ने शिकायत देकर बताया कि वह और उसका पुत्र मानवेंद्र(15) अपने घर जा रहे थे। तभी रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रैक्टर ने तेज गति से चलाते हुए उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी।

विकसित प्रदेश की राह पर मजबूती से आगे बढ़ रहा राजस्थान: भजनलाल

जयपुर टाइम्स

चुरू(निस)। राजस्थान दिवस के उपलक्ष में आयोजित हो रहे साप्ताहिक महोत्सव अंतर्गत सोमवार को निवेश उत्सव राइजिंग राजस्थान इपेक्ट 1.0 आयोजित किया गया। इसी क्रम में जिला मुख्यालय स्थित मातुश्री कमला गौयनका टाउन हॉल में निवेश उत्सव राइजिंग राजस्थान इपेक्ट 1.0 का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, एडीएम अर्पिता सोनी, ओम सारस्वत, फतेहचंद सोनी, दीलत तंवर, नरेंद्र काछवाल, अर्जुन प्रजापत, नीरज जागिड़ सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी व निवेशक मौजूद रहे। उद्योग महाप्रबंधक उजाला, यशपाल सिंह, आर्दुसिंह, गौरव सोनी, विकास व्यास, रोहित चौहान ने अतिथियों का स्वागत किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम वीसी के जरिए प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम से जुड़ा रहा। संचालन रवि दाधीच ने किया। उद्योग महाप्रबंधक उजाला ने बताया कि राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर मीट में जिले में कुल 199 एमओयू किए गए, जिनमें से उद्योग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, पर्यटन, शिक्षा, ऊर्जा, कृषि आदि विभिन्न विभागों से 70829 करोड़ रुपये प्रस्तावित निवेश के कुल 195 एमओयू अपूर्व किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिले में आदिनांक तक 642.07 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश के 68 एमओयू में गाउंड ब्रेकिंग हो चुकी है, इनमें से 47 एमओयू में उत्पादन कार्य भी शुरू हो चुका है।



जयपुर टाइम्स

प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान विकसित प्रदेश की राह पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। राइजिंग राजस्थान अंतर्गत किए गए एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए बेहतरीन प्रयास किए जा रहे हैं। निवेशकों की समस्याओं का समाधान करने के लिए सरकार कृत संकल्पबद्ध है। हर महीने की 11 तारीख को निवेश को लेकर बैठक आयोजित की जा रही है।

विकसित प्रदेश की राह पर मजबूती से आगे बढ़ रहा राजस्थान

जिलों में डेडीकेटेड टीम का गठन किया जाकर एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए समर्पित प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है और भारत आज विश्व मंच पर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। विकसित भारत हमारा संकल्प है। इस विजन को आधार हम विकसित राजस्थान के लक्ष्य पर आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है कि हम राजस्थान की अर्थव्यवस्था 350 बिलियन

डॉलर तक ले जाएंगे। इसी के साथ राजस्थान का विकसित भारत के निर्माण में अग्रणी योगदान रहेगा। शर्मा ने कहा कि हम कुशल मानव संसाधन के लिए श्रमिकों को कौशल प्रशिक्षण दे रहे हैं। राजस्थान की कनेक्टिविटी निवेश को आकर्षित करती है। हम संसाधनगत विकास पर फोकस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 30 अप्रैल तक किए गए एमओयू में 15 मई तक पोर्टल खोलकर भू - आवंटन कार्य किए जाएंगे। इस

अवसर पर मुख्यमंत्री ने राजस्थान लॉजिस्टिक्स नीति - 2025, राजस्थान वन्य एवं परिधान नीति - 2025, राजस्थान डाटा सेंटर नीति - 2025 को लॉन्च किया और ऑडियो विजुअल के माध्यम से राइजिंग राजस्थान इपेक्ट व राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव 2025 की घोषणा की एवं ऑडियो विजुअल की स्क्रीनिंग की। इसी क्रम में एमओयू धारकों को प्रशस्ति - पत्र भेंट कर अभिनंदन किया।

चहुंमुखी विकास की राह पर कदम बढ़ा रहा है राजस्थान: राठौड़

राजस्थान स्थापना दिवस पर जिला मुख्यालय पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मन मोहा

जयपुर टाइम्स

चुरू(निस)। राजस्थान स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार सांय को जिला मुख्यालय स्थित नेचर पार्क के ओपन थियेटर में सांस्कृतिक कार्यक्रम व कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, विधायक हरलाल सहाराण, पद्मभूषण देवेन्द्र झाड़ाड़िया, जिला प्रमुख वंदना आर्य, पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, जिला उप प्रमुख महेंद्र न्यौल, प्रधान दीपचंद राहड़, बसंत शर्मा, पूर्व सभापति विजय शर्मा सहित अतिथि मंचस्थ रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एडीएम अर्पिता सोनी, डीएफओ वीरेंद्र कृष्णया, एसडीएम बिजेंद्र सिंह, आयुक्त अभिलाषा सिंह, एक्सईएन पूर्णिमा यादव आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि राजस्थान के लिए गौरव का दिन है। तत्कालीन गृह मंत्री वल्लभभाई पटेल ने प्रदेश की नींव रखी और आज का यह समृद्ध राजस्थान अपने चहुंमुखी विकास की राह पर कदम बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि यहां की मिट्टी के कण- कण में वीर, शौर्य व बलिदान है। राजस्थान का इतिहास त्याग का रहा है। माटी पर मर मिटना यहां की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोकप्रिय



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को राजस्थान स्थापना दिवस मनाने का निर्णय सराहनीय है। राजस्थान की सामाजिक विरासत और लोक संस्कृति इतिहास पर टिकी है। इसी इतिहास व परंपराओं को दोहराते हुए सरकार ने जनभावना का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि चुरू जिला प्रशासन के नवाचारों के स्पंदन हुआ है। हम सभी मिलकर चुरू को 'आपणो चुरू -अग्रणी चुरू' बनाए। हमारा इतिहास गौरवमयी है और आने वाला भविष्य निश्चित तौर पर स्वर्णमयी होगा। विधायक हरलाल सहाराण ने कहा कि राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष में सात दिवस तक कार्यक्रम आयोजन सरकार का सराहनीय कदम है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को राजस्थान दिवस मनाए जाने का निर्णय यहां की समृद्ध विरासत, सनातन संस्कृति व सामाजिक



उत्थान की दिशा में प्रभावी कदम है। सरकार जनकल्याण को मन में रखकर काम कर रही है। यह गरीब को गणेश मानकर काम करने वाली सरकार अंतिम छोर के व्यक्ति तक अपनी योजनाओं, नीतियों, निर्णयों से अपनी पहुंच बना रही है। पद्मभूषण देवेन्द्र झाड़ाड़िया ने कहा कि राजस्थान का संपूर्ण विश्व में बहुत बड़ा योगदान है। यहां की संस्कृति संपूर्ण विश्व को आकर्षित करती है। राजस्थान संस्कृति, वीरों, बलिदान और प्रतिभाओं की धरती है। राजस्थान की संस्कृति को पूरी दुनिया में सराहा जाता है। उन्होंने कहा कि भजनलाल सरकार के अभूतपूर्व निर्णय से सभी जिलों में कार्यक्रम हो रहा है। सरकार की अपनी विरासत और संस्कृति को सहेजने का यह प्रयास सराहनीय है। हम इतिहास को याद करेंगे तो भविष्य सुदृढ़ होगा। पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान दिवस को अविस्मरणीय

बनाया है। रोजगार, महिला सशक्तिकरण, युवाओं को संवल के साथ राजस्थान को अग्रणी बनाने के लिए यहां की संस्कृति और सामाजिक उत्थान के लिए प्रदेश सरकार बेहतरीन प्रयास कर रही है। पीएम नरेंद्र मोदी ने भारत को विश्वगुरु और तीसरी सबसे बड़ी शक्ति बनाने के लिए दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार भी 'जो कहा वो किया' का संकल्प पुनः कर रही है। चुरू भी जिला प्रशासन के नवाचारों के साथ विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। इस दौरान विमला गढ़वाल, चंद्राराम गुरी, अभिषेक चौदिया, सुरेश सारस्वत, नरेंद्र कवल, हेमसिंह, राधेश्याम डोकवा, धर्मंद राकसिया, सीपी शर्मा, भास्कर शर्मा, गोपाल बालाण, नारायण बेनीवाल, रवि दाधीच, श्रीराम शर्मा, अभिलाषा, कॉर्पोरेटिव एमडी मदनलाल, एसीएफ महेंद्र लेखावा, रंजर दीपचंद, रंजर पवन आदि मौजूद रहे। संचालन बजरंग हर्षवाल ने किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दी प्रस्तुति

अभिचेतना ग्रुप ने 'आओ नी पधारी म्हारे देस, रंगीलो राजस्थान, आमी एक्ट, कठपुतली व कालबेलिया नृत्य', बिंजोआ ग्रुप रामसीसर ने लोकगीतों और श्रुति कयाल, विशाखा सोनगरा, रुचिका शर्मा ने नृत्य प्रस्तुति दी। रितेश प्रजापत ने बांसुरी वादन व प्रियाशु गौड़ ने पियानो पर प्रस्तुति दी।

कवियों ने दी साहित्यिक प्रस्तुतियां

इस अवसर पर राजस्थान की समृद्ध विरासत व संस्कृति पर आधारित कवि सम्मेलन में आशीष गौतम 'आशु', दिग्विजय सिंह गोगोटिया, हरिराम गोपालपुरा, अजीत सिंह चारण आदि कवियों ने कविताओं व साहित्य की प्रस्तुति दी। हरिराम गोपालपुरा ने हास्य रस, अजीत सिंह चारण ने श्रृंगार रस, दिग्विजय सिंह गोगोटिया ने वीर रस, आशीष गौतम 'आशु' ने हास्य- व्यंग्य कविताओं की प्रस्तुति दी। ओम डायनामाइट ने कवि सम्मेलन का संचालन किया।

गौर ए गणगौर माता, खोल किवाड़ी.. गणगौर पर्व मनाया

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। मण्डावा कस्बे की महिलाओं, युवतियों और बच्चियों ने सोमवार को श्रद्धा और परंपरागत रूप से गणगौर पर्व मनाया। महिलाओं ने पति की दीर्घायु व अखंड सौभाग्य और युवतियों ने मनचाहे वर की मनोकामना करते हुए महादेवजी की गण के स्वरूप यानि ईसरजी और माता पार्वती की गौर स्वरूप में पूजा की। इस दौरान शहर की कॉलोनीयों और गलियों में पाटो धो थे..पाटो धो..बीरा की बहन पाटो धो.... गौर गौर गणपति, ईसर पूजे पार्वती..पार्वती का आला-गौला...जैसे गीत गुंजे। इससे पूर्व बाग-बगीचों व उद्यानों में महिलाओं की खासी रौनक रही। गणगौर पूजन के लिए महिलाएं बाग-बगीचों से दूब, फूल और जल भरकर मंगल कलश सजाकर लाई और गौर ए गणगौर माता, खोल किवाड़ी.... बाहर ऊंची धारी पूजन वारी... जैसे लोकगीत गाती हुई गणगौर पूजन पहुंची। दूब, फूल और जल सहित रोली, मोली, चावल, हल्दी, काजल से पूजन किया। ईसरजी को जनेऊ और गौर माता को चून ओढ़ाई। माता को घेवर का भोग लगाया। किसी ने 16 तो किसी ने 8 गुणो ईसर-गणगौर को अर्पित किए। कथा



सुनी। सुर्व भगवान को अर्घ्य देकर बुजुर्ग महिलाओं के पांच छूकर आशीर्वाद लिया। घर जाकर बाघना कलपकर घर की सास, ननद को भेंट किया। इसके बाद पहला कौर गुणो का खाकर भोजन किया। कई विवाहिताओं ने अजुणा (उद्यापन) भी किया। सोलह सुहागन स्त्रियों को भोजन कराकर सभी सोलह श्रृंगार की वस्तुएं भेंट की। शाम को गढ़ गणगौर माता का मुंह मीठा कराकर पानी पिलाने के बाद धूमधाम से विदा (विसर्जन) किया गया। आमेर के मावटे, गलताजी, कॉलोनीयों के बोरवेल और कुओं, बावड़ियों सहित अन्य जलाशयों में ईसर-गणगौर का विसर्जन किया गया। गढ़ से गोपीनाथ मंदिर के पास से निकलती गणगौर की शाही सवारी में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए।